epaper.dehatsandesh.com

3 डीईओ रियासी ने बीएलओ के साथ मतदान दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

5 बार्सिलोना ओपन के दूसरे दौर में हारे राफेल नडाल

8 तिल की खेती- किस्में, रोकथाम और पैदावार

मौसम जम्मू
न्यूनतम 19
अधिकतम 28

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-94 | जम्मू तवी, शुक्रवार 19 अप्रैल, 2024 | मूल्य-2 रूपये, पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग शुक्रवार को, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जम्मू, 18 अप्रैल। उधमपुर डोडा कठुआ लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल यानि शुक्रवार को मतदान होगा। प्रशासन ने जगह-जगह सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस के अलावा बीएसएफ, सीएसएफ के जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया है। बुधवार देर शाम को अनंतनाग में आतंकियों द्वारा एक प्रवासी मजदूर की हत्या के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। पुलिस जगह-जगह नाके लगा कर वाहनों की तलाशी कर रही है।

उधमपुर डोडा कठुआ लोकसभा सीट पर शुक्रवार को होने वाले मतदान को लेकर सुरक्षा बलों ने भारत पाक अंतराष्ट्रीय सीमा पर भी चौकसी बढ़ा दी है। सीमावर्ती गांवों को जोड़ने वाली पंजाब की सीमा के साथ लगते गावों में जगह जगह पर बीएसएफ बीते कई दिनों से नाके लगा कर क्षेत्र में आने जाने वाले लोगों व वाहनों की भी जांच कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को होगी जो इस सीट पर 12 उम्मीदवारों का भाग्य तय करेगी। इस सीट पर सुबह सात बजे से

वोटिंग शुरू होगी। उधमपुर संसदीय क्षेत्र में पांच जिले आते हैं इनमें किश्तवाड़, डोडा, उधमपुर, रामबन और कठुआ शामिल हैं। इन जिलों के 16,23,195 मतदाता मतदान करेंगे। चुनावी मैदान में कांग्रेस के चौधरी लाल सिंह और भाजपा के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह सहित 12 प्रत्याशियों का भाग्य यहां के मतदाता तय करेंगे जबकि मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस में ही माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना कर दिया गया ह

इस सीट के लिए इस बार 84,468 नए मतदाता पहली बार अपने वोट का इस्तेमाल करने जा रहे हैं। क्षेत्र के कुल 16,23,195 मतदाताओं में से 8,45,283 पुरुष व 7,77,899 महिलाएं हैं। 13 मंगलामुखी मतदाता हैं। पांच जिलों के 18 विधानसभा क्षेत्रों में फैली इस सीट में 16,707 वर्ग किलोमीटरे क्षेत्रफल है। किश्तवाड़ जिले में पड़ते विधानसभा क्षेत्र इंद्रवाल, किश्तवाड़ और पैडर नागसेनी में 1,75, 897 मतदाता हैं। इनमें 90256 पुरुष और 85641 महिला मतदाता शामिल हैं। डोडा में तीन विधानसभा क्षेत्र भद्रवाह, डोडा और डोडा पश्चिम हैं। डोडा की मतदाता सूची में 3,05,093 मतदाता हैं। इसमें 157375 पुरुष, 147711 महिला और 7 थर्ड जेंडर हैं। रामबन जिला में दो विधानसभा क्षेत्र रामबन और बनिहाल शामिल हैं। इनमें 2,19,124 मतदाता हैं। इनमें 1,13,814 पुरुष और 1,05,310 महिला मतदाता शामिल हैं।

उधमपुर में चार विधानसभा क्षेत्र उधमपुर पश्चिम, उधमपुर पूर्व, चिनैनी और रामनगर हैं जिसमें 4,19,854 मतदाता हैं। इनमें 2,19,890 पुरुष और 1,99,964 महिला मतदाता हैं। बनी, बिलावर, बसोहली, जसरोटा, कठुआ और हीरानगर के छह विधानसभा क्षेत्रों वाले कठुआ जिले में 5,03,227 मतदाता हैं। इसमें 2,63,948 पुरुष, 2,39,273 महिला और 6 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने पूरे निर्वाचन क्षेत्र में 2637 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। इसमें किश्तवाड़ में 405, डोडा में 529, रामबन में 348, उधमपुर में 654 और कठुआ जिले में 701 शामिल हैं। निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों की प्रतिबद्धता के अनुरूप ईसीआई ने चुनावी प्रक्रिया की सटीकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए 3,658 बैलेट यूनिट, 3,570 कंट्रोल यूनिट और 3,636 वीवीपीएटी ''मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल'' की सुविधा दी है।

केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद के कार्यकाल तक अंतरिम जमानत देने की मांग, 22 अप्रैल को हाई कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनके कार्यकाल तक अंतरिम जमानत देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि तिहाड़ जेल के अंदर केजरीवाल की जान को खतरा है। हाई कोर्ट इस याचिका पर 22 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

याचिका लॉ स्टूडेंट अभिषेक चौधरी ने दायर की है। अभिषेक चौधरी ने वी द पीपल ऑफ इंडिया के नाम से याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि वो वी द पीपल ऑफ इंडिया के नाम से इसलिए याचिका दायर कर रहे हैं, क्योंकि वे इस याचिका के जरिये कोई नाम हासिल नहीं करना चाहते हैं। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली की जेलों में समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से कई लोगों की मौत हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, इसलिए उन्हें

बेहतर चिकित्सा सुविधाएं, चिकित्सा उपकरण और डॉक्टर चौबीसों घंटे उपलब्ध कराया जाना चाहिए, लेकिन ये सभी सुविधाएं न्यायिक हिरासत में उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं, क्योंकि जेल में खतरा काफी ज्यादा है।

केजरीवाल की जान को खतरा बताते हुए याचिका में कहा गया है कि जेल में दुर्दांत अपराधी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ रेप, हत्या, डकैती और बम ब्लास्ट तक के केस दर्ज हैं। ये सभी अपराधी केजरीवाल के बैरक से कुछ ही मीटर की दूरी पर हैं।

याचिका में कहा गया है कि जेल प्रशासन और पुलिस अधिकारी अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते हैं, क्योंकि वे इस काम के लिए प्रशिक्षित नहीं हैं। सुरक्षा का काम वे प्रशिक्षित कमांडो ही कर सकते हैं, जिन्हें वीआईपी की सुरक्षा की ट्रेनिंग मिली हो। उल्लेखनीय है कि 15 मार्च को कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी थी। 21 मार्च को हाई कोर्ट से केजरीवाल को गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने 21 मार्च को ही देर शाम को उनको पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। केजरीवाल इस मामले में फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

चुनाव आयोग ने श्रीनगर लोकसभा सीट को लेकर जारी की अधिसूचना

श्रीनगर, 18 अप्रैल । चुनाव आयोग ने आज लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। जिसमें 13 मई को 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव होगा। इस चरण में आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर सहित 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 96 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होगा। जिसमें जम्मू कष्मीर की श्रीनगर लोकसभा सीट पर चुनाव होना है।

जानकारी के अनुसार चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, श्रीनगर लोकसभा सीट पर नामांकन करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल है। जबकि नामांकन की जांच 26 अप्रैल को होगी। वहीं, 29 अप्रैल को उम्मीदवार के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि होगी। जबकि 13 मई को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक इस सीट पर मतदान किया जाएगा और परिणाम 4 जून को घोषित होगा।

सोपोर में एक व्यक्ति अपने आवास पर मृत पाया गया

बारामूला 18 अप्रैल। बारामूला जिले के ग्रीन टाउन सोपोर इलाके में एक व्यक्ति गुरुवार को अपने आवास पर मृत पाया गया। मृतक व्यक्ति की पहचान नसीर अहमद तांत्रे पुत्र रजाक तांत्रे निवासी ग्रीन टाउन सोपोर के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि नसीर अहमद तांत्रे ग्रीन टाउन सोपोर में अपने घर में बेहोशी की हालत में पाया गया। परिजनों ने तुरन्त उसे एसडीएच सोपोर लाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में गुरुवार को बारिश जारी

जम्मू 18 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में गुरुवार को बारिश हो रही है हालांकि मौसम विभाग के अनुसार मौसम में और नमी आने की संभावना है। साथ ही बादलों के बीच रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई लेकिन दिन के दौरान पारा गिरने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर और जम्मू शहरों में आज सुबह हल्की बारिश हुई जबकि काजीगुंड और गुलमर्ग में 0.4 एमएम और 0.2 एमएम बारिश हुई। मौसम विभाग ने 18 और 19 अप्रैल को व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है।

बंदूक संस्कृति से सबसे ज्यादा पीड़ित रही नेशनल कांफ्रेंस : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 18 अप्रैल। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को केन्द्रीय गृह मंत्री के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी बंदूक संस्कृति से सबसे ज्यादा पीड़ित रही है। यह बंदूक संस्कृति कहां से आई, यह हर कोई जानता है।

एनसी नेता उमर अब्दुल्ला अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से एनसी उम्मीदवार मियां अल्ताफ के नामांकन भरने के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे। उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एनसी, पीडीपी और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में बंदूक संस्कृति लेकर आने वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उमर ने कहा कि हर कोई जानता है कि यह बंदूक संस्कृति कहां से आई और नेशनल कॉन्फ्रेंस इस बंदूक संस्कृति से सबसे ज्यादा पीड़ित रही है। उन्होंने कहा कि 3000 से अधिक वरिष्ठ कार्यकर्ता, पार्टी कैडर, पदाधिकारी, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता इस संस्कृति के शिकार हुए हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री को उनके बलिदानों की भी गिनती करनी चाहिए। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से एनसी उम्मीदवार मियां अल्ताफ अन्य दलों के समर्थन से भारी अंतर से विजयी होंगे। मैं कांग्रेस नेता जीए मीर का भी आभारी हूं, जो आज नामांकन भरने के दौरान वे दिल्ली से यहां आये हैं।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई बुलंदियों पर पहुंचा: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण अनुराग सिंह ठाकुर ने गुरुवार को गुजरात के जामनगर में पार्टी के चुनावी प्रचार कार्यक्रम में कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतवर्ष के चारों अमृत स्तंभ यानी युवा, महिलाएं, किसान और गरीब को जो विकास, सम्मान दिया है, वो कांग्रेस ने 60 वर्षों में भी नहीं दिया। आज देश तेजी से गरीबी को मिटाकर आत्मनिर्भर तो बन ही रहा है, इसके साथ ही मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अभी से ब्लूप्रिंट पर काम करना चालू कर दिया है। अगले तीन वर्षों में हमारा देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के 60 वर्षों के कुशासन के बाद मोदी के 10 वर्षों का यह सुशासन देश के लिए बेहद जरूरी था। कांग्रेस के भय, भ्रम और भ्रष्टाचार की राजनीति को मोदी ने सेवा, सुशासन और जनकल्याण में परिवर्तित कर दिया है। इंडी एलायंस के लोग देश को जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटने वाले और हम

जोड़ने वाले हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी ने सदैव हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर माना है। हिमाचल प्रदेश का विकास उनकी प्राथमिकताओं में हमेशा शीर्ष पर रहा है, इसीलिए एक छोटे पहाड़ी राज्य को पिछले 10 वर्षों में उन्होंने इतना दिया है, जिसकी पहले कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। रेल हो, सड़क हो या हवाई साधन तीनों में हिमाचल प्रदेश आज बेहद उन्नत है। जब हिमाचल प्रदेश में आपदा आई तब केंद्र सरकार ने तुरंत कार्य करते हुए 1762 करोड़ रुपये की मदद, 16 हज़ार से ज़्यादा आवास, 2700 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें और मनरेगा द्वारा अलग से पैसे दिए।

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि अगर आपको पिछले 10 वर्षों में किए गए कार्यों की स्पीड और स्केल मापना है तो ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है। आप यह देखिए कि हम मात्र 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर लाए हैं। 25 करोड़ तो कितने देशों की जनसंख्या भी नहीं है। हम उन्हें सिर्फ गरीबी रेखा से बाहर नहीं लाए बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए 4 करोड़ पक्के आवास, 12 करोड़ शौचालय, 13 करोड़ घरों में नल से जल, 11 करोड़ बहनों को फ्री गैस कनेक्शन, 60 करोड़ लोगों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज और 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया है। इसके बाद स्वनिधि योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, विश्वकर्म योजना, स्किल इंडिया जैसी योजनाओं ने युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर दिया है।

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि मोदी के नेतृत्व में आज का नया भारत सना

शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव के लिए आईजीपी जोन ने की बैठक

जम्मू, 18 अप्रैल । पुलिस महानिरीक्षक पुलिस कश्मीर जोन वीके बर्डी ने लोकसभा चुनाव के दौरान संभावित आतंकवादी घटना को रोकने और शांतिपूर्ण मतदान के लिए इलाके की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए।

पुलिस नियंत्रण कक्ष कश्मीर में गुरुवार को आयोजित बैठक की पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन वीके बर्डी ने अध्यक्षता की।

बैठक में बर्डी ने लोकसभा चुनाव प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के संपन्न कराने और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की गई। आईजीपी कश्मीर ने जिला प्रमुखों को किसी भी संभावित आतंकवादी घटना को रोकने के लिए मौजूदा रणनीतियों का विश्लेषण और पुनर्मूल्यांकन करने का निर्देश दिया। बैठक में किसी भी अंतराल वाले क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रभुत्व रणनीतियों पर फिर से विचार करने और उन्हें मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया गया। आईजीपी ने कहा कि असामाजिक तत्वों और आतंकवादी सहयोगियों पर नजर रखने और उनके खतरों को प्रभावी ढंग से बेअसर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनकी आवाजाही के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की बात दोहराई। बैठक में शांतिपूर्ण और घटनामुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियानों को मजबूत करने और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के भी निर्देश दिए। इस बैठक में पुलिस, खुफिया एजेंसियों, सीआरपीएफ, एसएसबी, आईटीबीपी, सेना और बीएसएफ के अधिकारियों ने भाग लिया।

मोदी सरकार ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकाला: कविंद्र

जम्मू, 18 अप्रैल। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी की स्थिति से बाहर निकाला है। भाजपा के दिग्गज नेता यहां वार्ड नंबर 20 में पड़ने वाले शास्त्री नगर इलाके के इंदिरा कॉलोनी में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

कविंद्र ने कहा कि कांग्रेस के दशकों के गरीबी हटाओ अभियान के बावजूद, समाज का गरीब तबका गरीबी रेखा से नीचे रहने को मजबूर था लेकिन यह पीएम मोदी के दस वर्षों का शासन था कि देश भर में 25 करोड़ से अधिक लोग गर्व से कह सकते हैं कि वे गरीबी रेखा से नीचे नहीं हैं।

भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पिछले दशक में देश में भाजपा नेतृत्व द्वारा पूरा किए गए कार्यों में केवल सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस द्वारा दी गई समस्याओं

के कारण थोड़ा समय लगा, क्योंकि मोदी सरकार को घोटालेबाजों द्वारा की गई कई गलतियों को सुधारना पड़ा।

उन्होंने आगे कहा कि जहां कांग्रेस ने दशकों तक समाज के गरीब तबके की उपेक्षा की, वहीं मोदी सरकार उसी को समृद्ध बनाने और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर प्रदान करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने इसी बीच केंद्र सरकार की उपलब्धियों को भी गिनवाया।

भारत में बेचे जाने वाले बेबी फूड में चीनी मिलाने को लेकर जांच के घेरे में नेस्ले

नई दिल्ली, 18 अप्रैल । दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता उत्पाद कंपनी नेस्ले भारत में बेचे जाने वाले बेबी फूड में चीनी मिलाने को लेकर अब जांच के घेरे में आ गई है। ज्यूरिख स्थित पब्लिक आई एंड इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क की रिपोर्ट में नेस्ले इंडिया पर बच्चों के दूध और सेरेलक में चीनी मिलाने की बात सामने आई है। इस रिपोर्ट के आधार पर जांच की बात कही गई है, लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि नेस्ले से जुड़ी हालिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया गया है। कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत नेस्ले कंपनी के बेबी फूड के सैंपल की जांच की जाएगी। दरअसल एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ कि नेस्ले कई देशों में बच्चों के दूध और सेरेलक प्रोडक्ट्स में चीनी और शहद का इस्तेमाल करता है। चीनी का इस्तेमाल करना अंतरराष्ट्रीय दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

दरअसल नेस्ले कंपनी के इंडिया और विकासशील देशों में दो सबसे ज्यादा बिकने वाले बेबी फूड ब्रांड्स में चीनी की मात्रा अधिक मात्रा पाई गई है, जबकि यही उत्पाद ब्रिटेन, जर्मनी, स्विटजरलैंड और अन्य विकसित देशों में बगैर चीनी के बेचे जा रहे हैं। एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इस तरह के मामले भारत के अलावा अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देशों में देखने को मिले हैं। हालांकि, नेस्ले ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि वो भारत में सभी नियमों का पालन कर रही है। ज्यूरिख स्थित पब्लिक आई एंड इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया है कि भारत में बिकने वाले सभी 15 सेरेलक बेबी प्रोडक्ट्स में 3 ग्राम चीनी पाई गई, लेकिन अफ्रीका के इथियोपिया और एशिया के थाईलैंड जैसे देशों में चीनी 4 से 6 ग्राम तक पाई गई है।

मालिक के पीछा करने पर रास्ते में ही ट्रैक्टर ट्राली को छोड़कर फरार हो गया चोर

आरएस पुरा, 18 अप्रैल। मीरा साहब क्षेत्र के गांव कृष्णा नगर में देर रात चोर द्वारा ट्रैक्टर ट्राली को चुरा लिया गया लेकिन ट्रैक्टर ट्राली के मालिक द्वारा पीछा किए जाने के बाद कर ट्रैक्टर ट्राली बीच रास्ते में ही छोड़ कर चोर फरार हो गया।

ट्रैक्टर ट्राली के मालिक ने बताया कि बुधवार और वीरवार की मध्य रात्रि लगभग 2 बजे के करीब घर के बाहर ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली चोर द्वारा चुरा ली गई। उसने कहा कि जब उन्होंने ट्रैक्टर चलने की बात सुनी तो उन्होंने उसका पीछा किया। इसके बाद चोर ट्रैक्टर ट्राली को बीच रास्ते में ही छोड़कर फरार हो गया। वहीं चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद हुई है। ट्रैक्टर ट्राली के मालिक ने इसकी शिकायत मीरा साहिब पुलिस स्टेशन में कर दी है। वहीं इस घटना के बाद लोगों में भी दहशत का माहौल है और लोगों ने मांग की है की रात्रि के समय क्षेत्र में पुलिस की पेट्रोलिंग होनी चाहिए ताकि इस तरह की चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। स्थानीय निवासी जितेंद्र भगत एवं सुभाष दसगोत्रा ने कहा कि पुलिस विभाग को इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कारगर कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चोर क्षेत्र में इस तरह की वारदातों को अंजाम देने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान होनी चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें और इस तरह की घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लग सके।

महबूबा, अल्ताफ व जफर ने भरा अनंतनाग से नामांकन

जम्मू 18 अप्रैल । अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर चुनावी रण शुरू हो गया है क्योंकि एक तरफ यहां गुलाम नबी आजाद इस सीट से पीछे हट गए है वहीं आज पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार मियां अल्ताफ और जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के प्रत्याशी जफर मन्हास ने वहां से आपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नेकां उम्मीदवार मियां अल्ताफ के साथ पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जीए मीर, अजय सडोत्रा, रतन लाल गुप्ता व अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। उमर ने मियां अल्ताफ को इंडिया गठबंध का प्रत्याशी बताया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अनंतनाग-राजोरी सीट के

लिए नेकां उम्मीदवार मियां अल्ताफ अहमद ने अपना नामांकन दाखिल किया है। वह इंडिया गठबंधन के सभी दलों का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्हें उम्मीद है कि मियां अल्ताफ यह चुनाव जीतेंगे। जबकि गुलाम नबी आजाद के 2024 के लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के सवाल के जवाब में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात नहीं है, वे पहले से ही जानते थे कि गुलाम नबी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा आजाद ने अपनी पार्टी से एक उम्मीदवार खड़ा किया है लेकिन देखते हैं कि क्या लोग उनकी पार्टी को कितना समर्थन करते हैं।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन

कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?
ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।
इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पार्ट्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पार्ट्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।
स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।
योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।
आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।
ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर — ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर — फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

स्वास्थ्य — कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां — हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा — वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र — सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स — वेयरहाउसिंग
निर्माण — सलाहकारी फर्में

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

डीईओ सांबा ने चुनाव तैयारियों के बारे में मीडिया को जानकारी दी

सांबा 18 अप्रैल। जिला निर्वाचन अधिकारी सांबा, अभिषेक शर्मा ने 26 अप्रैल 2024 को जिले में होने वाले लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

लघु सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, डीईओ ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए आदर्श आचार संहिता को लागू करने के लिए आवश्यक परिपत्र जारी किए गए हैं।

डीईओ ने बताया कि तीन विधानसभा क्षेत्रों में फैले 132861 पुरुष, 126336 महिलाएं और एक ट्रांसजेंडर मतदाता सहित 2,59,000 मतदाता मतदान दिवस पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए तैयार हैं।

मॉडल मतदान केंद्रों के बारे में जानकारी देते हुए डीईओ ने कहा कि जिला सांबा में हरे और युवा मतदान केंद्रों के अलावा 3 गुलाबी और 3 पीडब्ल्यूडी मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान विशेष शिविर आयोजित कर नये मतदाताओं को जोड़ा गया।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि 169 दिव्यांग मतदाताओं और 345 बुजुर्ग मतदाताओं (85) सहित 514 मतदाताओं के लिए घरेलू मतदान सुविधा की व्यवस्था की गई है। विभिन्न स्थानों पर होम वोटिंग के लिए 49 टीमें गठित की गई हैं।

उन्होंने कहा, ईसीआई दिशानिर्देशों के अनुसार सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए, एनकोर ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अनुमति की सुविधा उपलब्ध है और अब तक विभिन्न राजनीतिक दलों को 60 अनुमतियां जारी की गई हैं। डीईओ ने सीविजिल, एनकोर, सुविधा, ईआरओनेट, एनजीआरएस पोर्टल आदि सहित चुनाव संबंधी आईटी प्लेटफार्मों के उपयोग पर भी प्रकाश डाला।

इसके अलावा, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 9-9 एफएसटी और एसएसटी तैनात किए गए हैं। 365 मतदान केंद्रों में से, ईसीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार 203 मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग सुविधा चालू कर दी गई है। एसएसपी सांबा, विनय कुमार ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अब तक लगभग 1335 लाइसेंसी हथियार जमा कराए गए हैं और 9 लोगों को पीएसए के तहत और 2 लोगों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है।

डीईओ रियासी ने बीएलओ के साथ मतदान दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

रियासी 18 अप्रैल। रियासी के जिला निर्वाचन अधिकारी विशेष महाजन ने बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बातचीत के दौरान मतदान दिवस के लिए जिले में आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की।

रियासी जिला, जम्मू संसदीय क्षेत्र का हिस्सा, 26 अप्रैल को मतदान होने जा रहा है। सत्र प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने और चुनावी प्रक्रिया के संबंध में किसी भी चिंता का समाधान करने पर केंद्रित था। बाद में, डीईओ ने चुनाव के दौरान प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक उपायों की रणनीति बनाने और उन्हें लागू करने के लिए पीएमजीएसवाई, पीडब्ल्यूडी, जल शक्ति और पीडीडी के एक्सईएन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक का उद्देश्य साजो-सामान की तैयारियों को सुव्यवस्थित करना, विशेष रूप से जिले भर के मतदान केंद्रों में सड़क निकासी और पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान पर ध्यान केंद्रित करना था। डीईओ ने आगामी गतिविधियों पर विचार-विमर्श करने के लिए व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी टीमों के साथ बातचीत की। चुनावी भागीदारी बढ़ाने में मतदाता जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, इन चर्चाओं में जिले में मतदाता मतदान को बढ़ावा देने के लिए नवीन रणनीतियाँ तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक के दौरान एडीडीसी रियासी, नोडल अधिकारी एमसीसी, नोडल अधिकारी लॉजिस्टिक्स, डिप्टी डीईओ, नोडल अधिकारी स्वीप और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने एसआरएस लाइब्रेरी से मुबारक मंडी तक हेरिटेज वॉक को हरी झंडी दिखाई

जम्मू 18 अप्रैल। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने श्री रणबीर सिंह लाइब्रेरी, कच्ची छावनी से मुबारक मंडी हेरिटेज कॉम्प्लेक्स तक हेरिटेज वॉक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला प्रशासन के सहयोग से संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस वॉक में प्रमुख सचिव संस्कृति सुरेश गुप्ता, कार्यकारी निदेशक मुबारक मंडी हेरिटेज सोसाइटी दीपिका शर्मा, उपायुक्त जम्मू सचिन कुमार वैश्य सहित नागरिक समाज के अलावा विभिन्न सिविल सेवक सदस्य, सैकड़ों छात्र और जम्मू शहर के अन्य नागरिक शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर को समृद्ध विरासत और संस्कृति का खजाना बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी संस्कृति के इस महत्वपूर्ण पहलू की सुरक्षा के प्रति हमारी संवेदनशीलता को नवीनीकृत करते हैं।

उन्होंने कहा कि विरासत को संरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है और भावी पीढ़ी के लिए इसे सुरक्षित रखने में हम सभी की भूमिका है। हमारी कई साइटें विश्व धरोहर के लिए समग्र महत्व के लिए यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भी हैं। ऐसे स्थलों का दौरा व्यक्ति को इन स्थानों के महत्व के बारे में जानने के अलावा उनकी विशिष्टता और सौंदर्यशास्त्र के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद करता है। उन्होंने छात्रों से हमारे समृद्ध सांस्कृतिक अतीत के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त करने के लिए पढ़ने और ऐसी जगहों पर जाने का आह्वान किया। प्रमुख सचिव ने एसआरएस लाइब्रेरी और मुबारक मंडी हेरिटेज कॉम्प्लेक्स की सांस्कृतिक संपत्ति के इतिहास के बारे में जागरूकता बढ़ाई। उन्होंने हमारी विरासत के संरक्षण और सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों से विभाग की ओर से उठाए गए ऐसे उपायों का समर्थन करने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि विश्व विरासत दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस के रूप में भी जाना जाता है, जो स्मारक और स्थलों पर अंतर्राष्ट्रीय परिषद आईसीओएमओएस द्वारा किए गए कार्यों की मान्यता में दुनिया भर में मनाया जाता है।

पूर्व मंत्री सुखनंदन चौधरी ने भाउ गांव का दौरा कर भाजपा उम्मीदवार को वोट देने की अपील की

आरएस पुरा, 18 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू रियासी लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तरफ से लगातार बैठकों का आयोजन कर लोगों से अपील की जा रही है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में जम्मू रियासी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार जुगल किशोर शर्मा को अपना वोट देकर सफल बनाएं।

वीरवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुखनंदन चौधरी ने क्षेत्र के भाउ गांव का दौरा किया और घर-घर जाकर लोगों से भाजपा को समर्थन देने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता

वेद भूषण की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा पंचायती प्रकोष्ठ के राज्य अध्यक्ष सुरजीत चौधरी, पूर्व सरपंच कैप्टन हंसराज, बलबीर सिंह सहित काफी संख्या में गांव के लोग मौजूद रहे। इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सुखनंदन चौधरी ने कहा कि केंद्र में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है और इस बार भारतीय जनता पार्टी 400 से अधिक लोकसभा सीट हासिल करके सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने देश के अन्य हिस्सों की तरह जम्मू कश्मीर में भी विकास की नई गाथा लिखी है।

शिखा मगोत्रा को पीएचडी पुरस्कार के लिए योग्य घोषित किया गया

जम्मू, 18 अप्रैल (हि.स.)। वीरवार को शिखा मगोत्रा पुत्री स्व. राम रतन शर्मा और चंदर प्रभा; अभिमन्यु बाली की पत्नी को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) कटरा, जम्मू-कश्मीर द्वारा कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की डिग्री के पुरस्कार के लिए योग्य घोषित किया गया है। उम्मीदवार ने डॉ. बैजनाथ कौशिक, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एसएमवीडीयू, कटरा की देखरेख और डॉ. अजय कौल, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एसएमवीडीयू, कटरा के सह-पर्यवेक्षण में तकरी स्क्रिप्ट ओसीआर में टेक्स्ट सेगमेंटेशन के लिए कंप्यूटेशन मॉडल का विकास विषय पर काम किया है। उम्मीदवार ने अपने पीएचडी कार्यक्रम के दौरान फेलोशिप प्रदान करने और शोध कार्य को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक सहायता और सुविधाएं प्रदान करने के लिए श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो. प्रगति कुमार (कुलपति, एसएमवीडीयू), डॉ. कुमुद रांझन झा (डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग), और डॉ. बैजनाथ कौशिक (पर्यवेक्षक और विभागाध्यक्ष, सीएसई) ने उम्मीदवार को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने अखनूर के परगवाल में चलाया ज्वाइनिंग कार्यक्रम

जम्मू, 18 अप्रैल (हि.स.)। पूर्व विधायक राजीव शर्मा, पूर्व विधायक डॉ. कृष्ण लाल और प्रदेश अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा सुनील प्रजापति की उपस्थिति में परगवाल क्षेत्र में कई नए लोग भाजपा में शामिल हुए। इस मौके पर विशेष कार्यक्रम चलाया गया था जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक राजीव शर्मा ने भाजपा के समावेशी शासन में लोगों के बढ़ते विश्वास पर जोर दिया। भाजपा नेता यहां भाजपा कार्यालय परगवाल में एक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे।

कारगिल युद्ध के प्रत्यक्ष अनभवों को साझा किया

जम्मू, 18 अप्रैल (हि.स.)। कारगिल युद्ध ने हमारे सशस्त्र बलों के साहस, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का परीक्षण किया। भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों ने न केवल दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि दुर्गम पहाड़ों और अकल्पनीय बाधाओं के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपरा का निर्वाह करते हुए पूरी दुनिया के सामने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इसी भावना के साथ युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रेरक व्याख्यान की एक श्रृंखला में, भारतीय सेना ने कारगिल विजय दिवस समारोह के हिस्से के रूप में हायर सेकेंडरी स्कूल, सियालसुई में सब मेजर लोकनाथ शर्मा, शौर्य चक्र द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने भारतीय वीरता के प्रत्यक्ष अनुभवों को साझा किया। यह आयोजन हमारे देश की रक्षा करने वाले नायकों को श्रद्धांजलि और सशस्त्र बलों में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत था। जब दिग्गजों द्वारा व्याख्यान दिया जा रहा था तो माहौल में देशभक्ति की भावना महसूस की जा रही थी।

मशहूर पहाड़ी गायक भाजपा में शामिल

जम्मू, 18 अप्रैल (हि.स.)। वीरवार को प्रसिद्ध पहाड़ी गायक तारिक परदेसी अपने समर्थकों के साथ त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना ने अन्य पार्टी नेताओं के साथ उनका पार्टी में स्वागत किया। तारिक परदेसी का पार्टी में स्वागत करते हुए रैना ने कहा कि नया प्रवेशकर्ता सुदूर सीमावर्ती क्षेत्र से है जिसने ललित कला के जादू से समाज की सेवा की है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों के लोग हर परिस्थिति में राष्ट्रवादी रहे हैं और समाज एवं राष्ट्र की सेवा की है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पार्टी में शामिल होकर क्षेत्र में भाजपा को मजबूत किया है।

पूर्व सरपंच जगजीत सिंह जग्गा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ हुए कांग्रेस पार्टी में शामिल

आरएस पुरा, 18 अप्रैल। 26 अप्रैल को जम्मू रियासी लोकसभा सीट पर होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार रमन भल्ला की तरफ से लगातार चुनाव प्रचार को तेज किया जा रहा है और अलग-अलग क्षेत्र में बैठकों का आयोजन कर लोगों से अपील की जा रही है कि वह कांग्रेस पार्टी को वोट देकर उन्हें सफल करें।

वीरवार को कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार रमन भल्ला ने आरएस पुरा क्षेत्र के गांव कोटली अर्जुन सिंह में जनसभा को संबोधित किया और लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने के लिए अपना पूरा समर्थन दें। पूर्व सरपंच जगजीत सिंह जग्गा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के नेता त्रिलोक सिंह बाजवा, दलीप कुमार, भूषण लाल डोगरा, तरनजीत सिंह टोनी, चरणजीत भगत, मोहन चौधरी सहित काफी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता एवं आम लोग मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व सरपंच जगजीत सिंह जग्गा अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए जिनका कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार रमन भल्ला एवं पार्टी के अन्य नेताओं ने पार्टी में स्वागत किया।

Government of Jammu & Kashmir
OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE REASI
Mini Secretariat District Administrative Complex, Reasi-182311 (J&K) India
Fax No:- 01991-245586 Phone No:- 01991-245587 E-Mail:-dcreasi@gmail.com

Sub: Imposition of ban U/s 144 of Cr.PC on illegal use of Sale/Purchase of Portable Chain Saw (Mechanical Cutters) in District Reasi.

Order

Whereas, Divisional Forest Officer, Forest Division, Reasi vide No. DFO/RFD/53-55 dated: 04-04-2024 has reported that immense amount of damage is being done by timber smugglers in the forest areas by using portable Chain Saw (Mechanical Cutters) within the jurisdiction of District Reasi; and

Whereas, the use of portable Chain Saw (mechanical Cutters) fall under the category of primary and secondary wood based industry as per SRO-103 of 2012 and use of the same is a clear violation of Section 52 of the Indian Forest Act, 1927; and

Whereas, these types of Portable Chain Saw (Mechanical Cutters) pose grave threat and challenge for forest protection as the timber smugglers are repeatedly cutting the green trees in the forest areas of District Reasi and doing illegal sale/purchase of the said smuggled wood; and

Whereas, in view of above, Divisional Forest Officer, Forest Division, Reasi & Mahore have requested this office to impose ban on sale and purchase of Portable Chain Saw (Mechanical Cutters) in District Reasi vide his letter No. DFO/RFD/53-55 dated: 04-04-2024.

Therefore, in view of the above, **I, Kul Bhushan Khajuria, JKAS, Additional District Magistrate, Reasi,** in exercise of powers vested in me U/s 144 of Cr.PC do hereby impose complete ban on illegal use of Sale/Purchase of Portable Chain Saw (Mechanical Cutters) in District Reasi.

Since, it is not possible to serve prior notice of this order to all individuals, it is as such being issued ex-parte. Any violation of this order shall invite penal action as warranted under relevant sections of law.

Senior Superintendent of Police, Reasi and Divisional Forest Officer, Reasi/Mahore shall get the order implemented in letter and spirit.

This order shall come into the force with immediate effect.

Issued under my seal and signature today on 16-04-2024

By order of District Magistrate, Reasi

No: DM/Rsi/2024-25/JC/427-51 **Dtd:16-4-2024**

Sd/-
Kul Bhushan Khajuria, JKAS
Additional District Magistrate Reasi

DIP/J-164/24
Dtd:18-4-2024

कश्मीर में लक्षित हत्या के विरोध में प्रदर्शन

जम्मू, 18 अप्रैल (हि.स.)। कश्मीर में गैर-स्थानीय राजू कुमार की लक्षित हत्या के बाद मिशन स्टेटहुड ने जोरदार प्रदर्शन किया। अध्यक्ष सुनील डिंपल के नेतृत्व में युवाओं ने बड़े पैमाने पर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान आईएसआई, हाफ़िज़ सईद, अज़हर मसूद और लश्कर-ए-तैयबा का प्रतिनिधित्व करने वाले पुतले जलाए और जम्मू-कश्मीर में लक्षित हत्याओं और आतंकवादी मॉड्यूल के संचालन में उनकी भागीदारी की निंदा की। एकत्रित भीड़ को संबोधित करते हुए डिंपल ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए अटूट समर्थन की कसम खाई, जबकि इस क्षेत्र में आतंकवाद और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों की स्पष्ट रूप से निंदा की। हालिया घटना, जहां राजू कुमार बिजबेहरा में एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का शिकार हो गए, ने जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद द्वारा उत्पन्न खतरे की स्पष्ट याद दिला दी।

343 मतदान टीमों का अंतिम जत्था किश्तवाड़ में निर्दिष्ट मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुआ

किश्तवाड़ 18 अप्रैल। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के अंतिम चरण में, 343 मतदान दलों का अंतिम जत्था (48-इंद्रवाल के लिए 113 मतदान दल, 49-किश्तवाड़ के लिए 136 और 50-पाडर, नागसेनी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 94 मतदान दल सहित) रवाना हो गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी की सावधानीपूर्वक निगरानी में जिला निर्वाचन विभाग के डॉ. देवांश यादव ने सुनिश्चित किया है कि निर्बाध मतदान प्रक्रिया के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं मौजूद हैं।

मतदान दलों, जिनमें मतदान कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी (जेकेपी, बीएसएफ और सीआरपीएफ सहित) शामिल हैं, को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अपेक्षित सामग्री से सुसज्जित और चुनावी प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित, मतदान दल दक्षता और अखंडता के साथ लोकतांत्रिक अभ्यास को सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार हैं।

टीमों को किट, रेनकोट, छाते, ईवीएम के लिए वॉटरप्रूफ कवर और अन्य सभी आवश्यक सामग्री जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की गईं।

चुनाव के सुचारू संचालन हेतु कट-ऑफ और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर 75 माइक्रो पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं, जबकि 19 इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम को 24ग7 सीसीटीवी निगरानी में रखा गया है।

डीईओ ने नागरिकों से अपील की है कि वे मतदान दलों को अपना पूरा सहयोग दें और सभी के लिए सुचारू और शांतिपूर्ण मतदान अनुभव सुनिश्चित करने के लिए चुनावी दिशानिर्देशों का पालन करें।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएं भी निम्नानुसार संचालित की जायेंगी:-

05656/05655 गुवाहाटी - जम्मू तवी - गुवाहाटी ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 05656 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 05656 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 05655 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 05655 प्रस्थान
----	20:30	गुवाहाटी	13:20	----
17:35	----	जम्मू तवी	----	10:00

चलने के दिनः 05656 गुवाहाटी से प्रत्येक सोमवार दिनांक 06.05.2024 से 01.07.2024 तक एवं **05655 जम्मू तवी** से प्रत्येक गुरुवार दिनांक 09.05.2024 से 04.07.2024 तक।

ठहरावः कामाख्या जं., रगिंया जं., बरपेटारोड, न्यु बंगाई गांव जं., कोकराझार, न्यु कोचबिहार, न्यु जलपाईगुड़ी, किशनगंज, कटिहार जं., नवगछिया, खगड़िया जं., बेगुसराय, बरौनी जं., शाहपुर पटोरी, देसरी, हाजीपुर जं., सोनपुर, छपरा जं., सिवान जं., भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., गोंडा जं., लखनऊ एनआर, हरदोई, बरेली जं., मुरादाबाद जं., लक्सर जं., रुड़की, सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अम्बला कैंट, लुधियाना जं., जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट, एवं कठुआ स्टेशन।

स्थानः वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर एवं शयनयान।

09405/09406 साबरमती - पटना जं. - साबरमती ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी — 22 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 09405 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 09405 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 09406 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 09406 प्रस्थान
----	18:10	साबरमती	13:30	----
15:35	15:45	लखनऊ	16:05	16:15
02:00	----	पटना जं.	----	05:00

चलने के दिनः 09405 साबरमती से प्रत्येक मंगलवार दिनांक 16.04.2024 से 25.06.2024 तक एवं **09406 पटना जं.** से प्रत्येक गुरुवार दिनांक 18.04.2024 से 27.06.2024 तक।

ठहरावः महेसाना जं., पालनपुर जं., आबूरोड, अजमेर जं., फूलेरा जं., जयपुर, बांदीकुई जं., भरतपुर जं., अछनेरा जं., आगरा फोर्ट, टूण्डला जं., कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ एनआर, सुलतानपुर, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा स्टेशन।

स्थानः वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

पूर्व घोषित रेलगाड़ी संख्या 09309/09310 इंदौर - नई दिल्ली - इंदौर सुपरफास्ट द्वि-साप्ताहिक स्पेशल रेलगाड़ी अब इंदौर - हज़रत निज़ामुद्दीन-इंदौर के बीच निम्नलिखित विवरण के अनुसार चलाई जायेंगी: — 42 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 09309 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 09309 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 09310 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 09310 प्रस्थान
----	17:00	इंदौर	21:00	----
04:30	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	08:20

चलने के दिनः 09309 इंदौर से प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को दिनांक 19.04.2024 से 30.06.2024 तक एवं **09310 हज़रत निज़ामुद्दीन** से प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को दिनांक 20.04.2024 से 01.07.2024 तक।

ठहरावः देवास, उज्जैन जं., नागदा जं., शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर, गंगापुरसिटी, भरतपुर जं. एवं मथुरा जं. स्टेशन।

स्थानः वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

09064 गोरखपुर जं. - उधना जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी — 01 फेरा

स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 09064 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 09064 प्रस्थान
गोरखपुर जं.	----	04:45
लखनऊ	13:05	13:10
उधना जं.	15:30	----

चलने के दिनः 09064 गोरखपुर जं. से दिनांक 16.04.2024 (मंगलवार) को।

ठहरावः आनन्द नगर जं., सिद्धार्थ नगर, बढनी, गैंसड़ी तुलसीपुर, बलरामपुर, गोंडा जं., बाराबंकी जं., लखनऊ एनआर, कानपुर सेन्ट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, विदिशा, रानी कमलापति, इटारसी जं., खंडवा जं., भुसावल जं., नंदुरबार, बारडोली एवं चलथान स्टेशन।

स्थानः शयनयान एवं सामान्य।

04145/04146 प्रयागराज - आनन्द विहार (ट) - प्रयागराज सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी — 12 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04145 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04145 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04146 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04146 प्रस्थान
----	21:20	प्रयागराज	19:20	----
08:00	----	आनन्द विहार (ट)	----	09:30

चलने के दिनः 04145 प्रयागराज से प्रत्येक शुक्रवार दिनांक 26.04.2024 से 31.05.2024 तक एवं **04146 आनन्द विहार** (ट) से प्रत्येक शनिवार दिनांक 27.04.2024 से 01.06.2024 तक।

ठहरावः फतेहपुर, कानपुर सेन्ट्रल, इटावा, टूण्डला जं. एवं अलीगढ़ स्टेशन।

स्थानः वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

08475/08476 पुरी - हज़रत निज़ामुद्दीन - पुरी विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 08475 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 08475 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 08476 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 08476 प्रस्थान
----	04:50	पुरी	06:55	----
17:40	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	23:35

चलने के दिनः 08475 पुरी से प्रत्येक शुक्रवार दिनांक 19.04.2024 से 28.06.2024 तक एवं **08476 हज़रत निज़ामुद्दीन** से प्रत्येक शनिवार दिनांक 20.04.2024 से 29.06.2024 तक।

ठहरावः खोरधा रोड, भुवनेश्वर, नराज मार्थापुर, ढेंकानाल, अनुगुल,रेढ़ाखोल, सम्भलपुर सिटी, झारसुगुडा रोड, बिलासपुर, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट एवं मथुरा जं. स्टेशन।

स्थानः वाता.-2 टीयर, वाता.-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

05051 छपरा जं. - दिल्ली जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी — 01 फेरा

स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 05051 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 05051 प्रस्थान
छपरा जं.	----	11:25
लखनऊ	22:00	22:10
दिल्ली जं.	11:40	----

चलने के दिनः 05051 छपरा जं. से दिनांक 16.04.2024 (मंगलवार) को।

ठहरावः बलिया, इन्दारा जं., मऊ जं., आजमगढ़, खोरासन रोड, शाहगंज जं., अयोध्या कैंट, लखनऊ, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन।

स्थानः शयनयान एवं सामान्य।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

हमें फॉलो करें | आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे आपकी सुविधा – हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

निर्बाध रेलवे सुनिश्चित करें

यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि राष्ट्रीय परिवहन यानी रेलवे आम आदमी के सामने आने वाले क्षुद्र राजनीतिक या सामाजिक मुद्दों से प्रभावित न हो क्योंकि इससे यात्रियों को बुरे अनुभव होने के अलावा देश को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। जिन्होंने किसी भी असुविधा या ऐसे उपद्रव से बचने के लिए महीनों पहले अपनी यात्रा की योजना बनाई थी, जिसके कारण रेल रोको विरोध प्रदर्शन के कारण ट्रेनें बाधित हुईं।

इसी संदर्भ में, संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान कथित तौर पर गिरफ्तार किए गए तीन किसानों की रिहाई की मांग को लेकर पंजाब और हरियाणा सीमा के पास पटियाला जिले में एक रेल ट्रैक पर बैठ गए हैं। हरियाणा पुलिस द्वारा. इस विरोध प्रदर्शन के कारण कई ट्रेनों के शेड्यूल में गड़बड़ी हुई है, जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ा, क्योंकि शंभू रेलवे स्टेशन पर उपरोक्त नाकाबंदी के कारण कई ट्रेनें प्रभावित हुईं, जिससे उनके मार्ग में परिवर्तन, रद्दीकरण या शॉर्ट-टर्मिनेशन हुआ।

यह पूरी तरह से अनुचित है कि हरियाणा में किसान संगठनों और पुलिस के बीच असहमति के कारण ऐसी अनिश्चित स्थिति पैदा हो गई, जहां उत्तर भारत के विभिन्न शहरों को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग प्रभावित हो गया है, जिससे इस पर यात्रा करने वाले लोगों को कठिन समय लग रहा है। ट्रेन की पटरी। ऐसे विरोध प्रदर्शनों से रेल यातायात बाधित होने से रोकने की जिम्मेदारी संबंधित राज्यों और केंद्र की है। केंद्र और किसानों के बीच गतिरोध है क्योंकि टिलर समुदाय 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर रुका हुआ है, जब सुरक्षा बलों ने उनके मार्च को रोक दिया था।कुल मिलाकर, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मामला कुछ भी हो, रेलवे ट्रैक हमेशा ऐसे किसी भी व्यवधान से मुक्त रहना चाहिए क्योंकि ऐसे रेल रोको अभियानों में बर्बाद होने वाला हर सेकंड देश को भारी नुकसान पहुंचाता है, जो अस्वीकार्य और अवांछित भी है।. इस तथ्य में कोई संदेह नहीं है कि ट्रेनों को मनमाने ढंग से रोकना प्रतीकात्मक और प्रभावी ढंग से मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श के सामने लाने का एक शक्तिशाली तरीका है। हालाँकि, यह महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है, विशेषकर किसी राष्ट्र के आर्थिक ताने-बाने के लिए। जब प्रदर्शनकारी ट्रेनों को रोकते हैं, तो वे देश की वाणिज्य और गतिशीलता की सबसे महत्वपूर्ण धमनियों में से एक को प्रभावी ढंग से बाधित करते हैं।

भारत में रेलवे न केवल लाखों लोगों के लिए परिवहन का एक प्राथमिक साधन है, बल्कि विशाल दूरी तक वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। ट्रेनों को रोकने से, इन विरोध प्रदर्शनों से काफी आर्थिक परिणाम हो सकते हैं, इसलिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को गंभीरता से चीजों से निपटना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो जाए जिससे देश को नुकसान और परेशानी हो

एक झटके में नहीं, सही नीति और साफ नीयत से खत्म होगी गरीबी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 13 अप्रैल को बस्तर में चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस की सरकार केंद्र में बनी तो हम एक झटके में देश से गरीबी खत्म कर देंगे। राहुल गांधी के बयान देने के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के होशंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के पिपरिया शहर में एक चुनावी रैली के दौरान अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के शाही जादूगर कहते हैं कि एक झटके में गरीबी मिटा दूंगा। 50 साल पहले उनकी दादी इंदिरा गांधी ने भी गरीबी हटाने का नारा दिया था, लेकिन हुआ क्या? अब राहुल गांधी यह बोलकर गरीबों का अपमान कर रहे हैं, उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचा रहे हैं।

राहुल ने गरीबी हटाने का बयान मोदी सरकार को घेरने के लिए दिया था, लेकिन लगता है कि उन्होंने ये बयान देकर खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। भाजपा राहुल गांधी को कांग्रेस के पांच दशक से ज्यादा के शासन की याद दिला रही है। केंद्र और देश के ज्यादातर राज्यों में लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी की सरकारों ने शासन किया। उस कालावधि में गरीबों, किसानों, श्रमिकों, आदिवासियों, वनवासियों और वंचितों के कल्याण और विकास के लिए तत्कालीन कांग्रेस की सरकार को करना चाहिए था, वो किया नहीं गया। जिसका नतीजा यह है कि आज आजादी के 75 वर्षों बाद आबादी का एक बड़ा हिस्सा गरीबी का दंश झेल रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 के चुनाव में 'गरीबी हटाओ' के नारे को भुनाया। चुनाव प्रचार में उन्होंने यह कहते हुए आमजन की हमदर्दी बटोरी, 'वो कहते हैं इंदिरा हटाओ, हम कहते हैं गरीबी हटाओ'। विरोधियों ने गरीबी हटाओ के जवाब में नारा दिया, 'देखो इंदिरा का ये खेल, खा गई राशन, पी गई तेल'। लेकिन वह काम नहीं आया। पांचवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे आए तो कांग्रेस ने चुनाव में दो तिहाई सीटें हासिल कीं। 'गरीबी हटाओ' उन बिरले नारों में से था, जिसने उसे गढ़ने वाले को चुनाव में बड़ी सफलता दिलाई। उसके बाद कांग्रेस करीब 40 से अधिक समय तक सरकार में रही लेकिन उनकी नीति और नीयत ठीक नहीं थी और गरीबी दूर नहीं हुई। कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार और घोटालों की वजह से सरकारी योजनाओं का लाभ गरीबों को जो मिलना चाहिए था, वो कभी मिला नहीं।

1971 के जनगणना के मुताबिक भारत में उस वक्त करीब 54 करोड़ आबादी थी, जिसमें से 57 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे थे। देश में 66 फीसदी लोग अनपढ़ थे। ग्रामीण से ज्यादा शहरी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रही थी। लम्बे वक्त तक इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री रहीं, लेकिन गरीबी के स्तर पर कोई सुधार नहीं देखने को मिला। इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और फिर मनमोहन सरकार तक गरीबी हटाओ के नारे के साथ सिर्फ चुनाव ही जीतती रही हैं। गरीबों के उत्थान और उनके कल्याण के लिए कांग्रेस सरकारों ने कभी गंभीरता के साथ कोई कार्यक्रम नहीं चलाए. यही वजह है कि कांग्रेस सरकारों के दौरान देश के करोड़ों लोग गरीबी और महंगाई के कुचक्र में फंसे रहे।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभालने के बाद देश के गरीबों के कल्याण के लिए काम करना शुरू कर दिया। सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सीधे गरीबों तक पहुंचाया। उनकी कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं ने गरीबों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आया है। इसका प्रमाण नीति आयोग के जारी राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक की रिपोर्ट से मिलता है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक पिछले नौ वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2013-14 से 2022-23 के बीच देश के 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी की परिधि से बाहर निकाला।

नीति आयोग के रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गरीबी साल 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत रह गई है, यानी 17.89 प्रतिशत की कमी आई है। उत्तर प्रदेश में पिछले 9 वर्षों के दौरान 5.94 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं, जो सबसे अधिक है।

इसके बाद बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ और राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि 2005-06 से 2015-16 की अवधि की तुलना में 2015-16 से 2019-21 में गरीबी में तेज गिरावट दर्ज की गई है। साल 2005-15 में गरीबी की वार्षिक गिरावट 7.69 प्रतिशत थी, जो साल 2016-21 में बढ़कर 10.66 प्रतिशत वार्षिक गिरावट हो गई। इस संपूर्ण अध्ययन अवधि के दौरान बहुआयामी गरीबी सूचकांक यानी एमपीआई के सभी 12 संकेतकों में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किए गए हैं।

रिपोर्ट बताती है कि देश में गरीबी से लोगों को निजात मिल रही है, जाहिर है ये मोदी सरकार की कल्याणकारी नीतियों का यह सीधा प्रभाव है। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्जवला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन धन खाते जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि डिजिटल क्रांति ने इन योजनाओं का लाभ सीधे अपेक्षित वर्ग तक पहुंचाया है। बिचौलियों का खात्मा कर दिया और बीच में से पैसा निकालने की गुंजाइश खत्म कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं ने आम लोगों के जीवन की तस्वीर बदल दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी और ग्रामीण को मिलाकर देश में करीब चार करोड़ बनाए जा चुके हैं और बनकर तैयार हो चुके घर पात्र गरीबों को सौंपा जा चुका है। मोदी सरकार की अटल पेंशन योजना एक प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना की कामयाबी को आप इसी से जान सकते हैं कि अब तक इसके 6 करोड़ से अधिक खाते हो गए हैं। पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' जनधन खातों की संख्या और इसमें जमा धन एक नया रिकॉर्ड बन चुका है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों की संख्या 51 करोड़ के पार पहुंच गई है।

मोदी सरकार ने देशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना' की शुरुआत की थी। अब यह योजना गरीब-वंचितों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत 27 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना में अब तक 6 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त इलाज किया गया है। 30 नवंबर 2023 को प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि, देश में सिर्फ चार जातियां गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं। मैं इन चारों जातियों के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा हूं। मेरा मानना है कि मूल आस्था और धर्म को छोड़कर इन चार मूल जातियों के उत्थान से ही देश प्रगति करेगा।

14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का लोकसभा घोषणा पत्र (संकल्प पत्र-मोदी की गारंटी) जारी किया, जिसमें गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। मतलब साफ है गरीब और जरूरतमंद मोदी सरकार के एजेंडे में पहले स्थान पर हैं।

पिछले दस साल से कांग्रेस सत्ता से बाहर है। अब उसे गरीबी और गरीब याद आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने देश पर 55 साल राज किया है। लेकिन उसकी कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। इसी वजह से देश के करोड़ों गरीबों को कांग्रेस के राज अपना हक और हिस्सेदारी नहीं मिली। कांग्रेस आज सत्ता हासिल करने के लिए लंबे चौड़े वादे कर रही है। लेकिन जिन राज्यों में फिलवक्त उसकी सरकारें हैं, वहां चुनावी वादे पूरे करने में वो नाकाम साबित हो रही है।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि गरीबी किसी अभिशाप से कम नहीं है। चुनावी मंच से एक झटके में गरीब खत्म करने का लच्छेदार भाषण देना कोई बड़ी बात नहीं है। गरीबी देश की पुरानी और विकट समस्या है। अगर आजादी के बाद लंबे वक्त तक शासन करने वाली सरकारों ने इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से निभाई होती तो, आज देश की तस्वीर ही कुछ और होती। मोदी सरकार ने अपने लगभग दस साल के कार्यकाल में देश के गरीबों और जरूरतमंदों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए जो कदम उठाए हैं, उनके नतीजे सबके सामने हैं। देशवासी इस बदलाव को महसूस कर रहे हैं। अगर एक झटके में गाजर या मूली उखाड़ने की तरह गरीबी खत्म करना संभव होता तो अब तक इस समस्या खत्म हो गई होती। सच्चाई यह है कि गरीबी जैसी विकट और विशाल समस्या को दूर करने के लिए सही नीति और साफ नीयत की सबसे ज्यादा जरूरत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

'इसलिए' लोगों को पसंद हैं नरेन्द्र मोदी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश में होने जा रहे लोकसभा चुनाव में फरवरी में आई अमेरिकी थिंकटैंक प्यू रिसर्च सेंटर की लोकतांत्रिक देशों को लेकर जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट समीचीन हो गई है। यह रिपोर्ट कुछ लोगों के लिए चौंकाने वाली हो सकती है। वह इसलिए कि देशवासियों को डेमोक्रेसी का ऑटोक्रेसी मॉडल अधिक लुभा रहा है। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार देश की लोकतांत्रिक सरकार की कार्य व्यवस्था को लेकर स्वीडन के बाद दूसरे नंबर पर भारत के लोग संतुष्ट है। स्वीडन में जहां 75 फीसदी लोग वहां लोकतांत्रिक सरकार के काम करने के तौर तरीके से संतुष्ट हैं वहीं भारत में 72 प्रतिशत लोग लोकतांत्रिक सरकार के काम करने के तौर-तरीकों को पसंद करते हैं। इस साल भारत समेत दुनिया के करीब 50 देशों में चुनाव होने जा रहे हैं। इस मायने में 24 देशों में किया गया यह सर्वेक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर खास महत्व रखता है। मजे की बात यह है कि सर्वेक्षण में शामिल देशों में केवल 33 फीसदी अमेरिकी ही अपने यहां की लोकतांत्रिक सरकार के कार्य करने की व्यवस्था को लेकर संतुष्ट है। खैर यह तो अलग बात हुई। मगर सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि दुनिया के अधिकांश देशों की आम जनता बोल्ड निर्णय करने वाले नेता को अधिक पसंद करने लगी है। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। 2017 में 55 प्रतिशत देशवासी ऑटोक्रेसी को पसंद करते थे। अब उसका ग्राफ तेजी से बढ़ा है। आज 67 प्रतिशत लोगों को ऑटोक्रेसी (अधिनायकवादी नेता) पर अधिक विश्वास है। ऑटोक्रेसी पर विश्वास बढ़ने वाले देशों में भारत के अलावा केन्या, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, पोलैंड सहित कई देश हैं। सर्वेक्षण में शामिल 24 में से आठ देशों में ऑटोक्रेसी के प्रति रुझान बढ़ा है।

दरअसल लोग निर्णय करने वाले नेता को पसंद करते हैं। कुछ करने का जज्बा ही देशवासी नेता में खोजते हैं। विपक्ष के लाख आरोप-प्रत्यारोपों के बीच नरेन्द्र मोदी पिछले दो चुनाव में लगातार जनता की पसंद बने रहे और 2024 का चुनाव भी लगभग उसी दिशा में बढ़ रहा है। विपक्षी दल मुद्दे बनाने के प्रयास करते हैं पर वहीं मुद्दे सेल्फ गोल में परिवर्तित होने लगते हैं। हालिया इलेक्शन बॉन्ड को लेकर जिस तरह से भाजपा को घेरने का प्रयास किया गया वह अभी तक तो सिरे नहीं चढ़ता नहीं नजर आ रहा है। समझने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह हो जाती है कि चंदा देने वाले कौन हैं? साफ है पैसे वाले अमीर लोग। इलेक्शन बॉण्ड में पैसा तो अमीर लोगों से आ रहा है और उनका प्रतिशत इतना नहीं है कि वह चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सके। इसके विपरीत सत्तारूढ़ दल को गरीब आम मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है। यानी कि इसे मुद्दा बनाने के बावजूद नरेन्द्र मोदी या भाजपा आम मतदाता को अपने पक्ष में साधने में पूरी तरह सफल है। दूसरा यह कि कोई भी पार्टी हो उसके अधिकांश टिकट पैसे वाले लोगों को ही मिलते हैं।

जहां तक लोकतंत्र के ऑटोक्रेसी मॉडल की बात है आज नरेन्द्र मोदी पर यह आरोप खुले आम विपक्ष लगाता आ रहा है पर विगत के पन्ने खोलें तो नरेन्द्र मोदी का गुजरात मॉडल ही उन्हें केन्द्र की सत्ता दिलाने में सहायक रहा है। दरअसल देश को हमेशा सख्त मिजाज मजबूत नेता की आवश्यकता महसूस होती रही है। किसी भी दल से सख्त मिजाज नेता सामने आया है तो आमजन ने उसे हाथों हाथ लिया है। नेहरू को उस समय के संदर्भ में लोगों द्वारा महत्व दिया गया तो नेहरू के बाद लाल बहादुर शास्त्री को ईमानदार और दबंग नेता के रूप में आज भी याद किया जाता है। जय जवान-जय किसान जो आज एक कदम आगे बढ़कर जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान हो गया है। 1971 की भारत-पाक लड़ाई और बांग्लादेश के गठन के चलते इंदिरा गांधी को देशवासियों ने सिर चढ़ाया।

इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में ऑटोक्रेसी को पसंद करने वाले लोगों की 12 प्रतिशत बढ़ोतरी से साफ समझ में आ जाना चाहिए कि लोग परिणाम पर नहीं जाते, आलोचना-प्रत्यालोचना को भी खारिज कर देते हैं जब कोई निर्णय लेने में हिचकता नहीं है। नरेन्द्र मोदी के पक्ष में यही बात जाती है। नरेन्द्र मोदी पर विपक्ष तानाशाही और जुमलेबाज जैसे आरोप लगाते हैं पर 2014 और 2019 के चुनाव परिणाम तो विपक्ष के आरोपों को सिरे से नकार रहे हैं। 370, राम मंदिर, तीन तलाक, पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसे बोल्ड निर्णय और विदेशी नेताओं के बीच बॉस की भूमिका को देशवासी अपना गौरव समझने लगे हैं। दरअसल इस तरह के अनेक उदाहरण मिल जाएंगे। यही कारण है कि यह चुनाव भी मोदी बनाम विपक्ष के बीच लड़ा जा रहा है। लोकसभा के पिछले दो चुनाव भी मोदी के नाम से ही लड़े गए और जनता ने भारी बहुमत देकर सब कुछ साफ कर दिया। कुछ समय पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी भाजपा ने क्षेत्रीय क्षत्रपों के स्थान पर मोदी की गारंटी के नाम से लड़े। परिणाम सामने हैं।

दरअसल डेमोक्रेसी के नए रूप ऑटोक्रेसी में एक ही चेहरा-एक ही नाम पर लड़ा जाता है। इस लोकसभा चुनाव में भी यही हालात है। कहने को भले ही यह कहा जा रहा है कि 2024 के चुनाव की दशा और दिशा नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, शरद पवार, एमके स्टालिन, तेजस्वी यादव, असदुद्दीन औवेसी तय करने वाले हैं। मगर जमीनी हकीकत तो यह है कि 2024 का चुनाव एक ही चेहरा-एक ही नाम नरेन्द्र मोदी के इर्द-गिर्द है। नरेन्द्र मोदी बनाम समूचा विपक्ष चुनाव आकार ले चुका है। पहले चरण की 102 लोकसभा सीटों के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है। अब राजनीतिक दलों को यह समझ लेना होगा कि आमजन को मुखर और निर्णय लेने की क्षमता वाला नेता चाहिए। सत्ता में आना है तो आमजन तक यह संदेश जाना जरूरी है। आज विपक्ष में ऐसा कोई नेता नजर नहीं आ रहा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

साहित्य की जमीन को ललित निबंध देते हैं नई रंगत

मुकुंद

साहित्य में ललित निबंध आखिर क्या होते हैं कैसा होता है इनका रचनाकर्म आदि सवालों का जवाब खोजने की कोशिश पिछले दिनों दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया में की गई।

इस संबंध में प्रख्यात भोजपुरी चित्रकार वंदना श्रीवास्तव और जाने-माने साहित्यकार व नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय नालंदा के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रवींद्र नाथ श्रीवास्तव परिचय दास के व्याख्यान महत्वपूर्ण रहे।

इस व्याख्यानमाला का आयोजन हिंदी विभाग ने किया। इस अवसर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रो. परिचय दास को केंद्रीय विश्वविद्यालय गया की हिंदी और भारतीय भाषाओं की समिति का सदस्य नामित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की।

अपने व्याख्यान में वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि भोजपुरी कला की निर्मिति यामिति के आधार पर होती है।

अनगढ़ से सुगढ़ होती प्रक्रिया कला को नया आयाम देती है। भोजपुरी कला अब बिहार, उत्तर प्रदेश व अन्य स्थलों पर नये रंग बोध के रूप में आ रही है। कोहबर की भित्ति कला, चौका पूरने की कला आदि रूपों से होती हुई आज यह एक ओर लोक को छूती है, दूसरी ओर समकालीनता को।

मिथिला कला से अलग इसने नयी जमीन पर नयी रंगत प्राप्त कर ली है, जिसमें रोजगार की भारी संभावनाएं हैं। सुश्री वंदना ने ललित निबंध के गठन में कलात्मक विंबों की जरूरत पर बल दिया।

ललित निबंधकार प्रो. रवींद्र नाथ श्रीवास्तव परिचय दास ने कहा कि ललित निबंध निबंध का सौष्ठव रूप है तथा गद्य की रमणीयता। ललित निबंध एक नयी किस्म की भाषा रचता है। गद्य के श्रेष्ठतम रूपों में एक है- ललित निबंध।

उन्होंने काका कालेलकर, दुर्गा भागवत, नवनीता देवसेन, श्रीकांत जोशी , हजारी प्रसाद द्विवेदी , कुबेर नाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, विवेकी राय आदि ललित निबंधकारों के शिल्प प्रकृति की परिचय दास ने व्याख्या भी की। अपने ललित निबंधों के बारे में परिचय दास ने कहा- मेरे ललित निबंध परम्परा के साथ समकाल के प्रश्नों और बिम्बों को भी स्थापन और गति देते हैं।

इस व्याख्यान माला के दौरान परिचय दास के संबोधन में साल 2019 के नए साल की आगत पर लिखा गया उनका ललित निबंध नव वर्ष-संकल्प की आंच के कुछ अंश स्मृति में उभर आए।

मसलन वो लिखते हैं-अनेक बार हम विगत समय या वर्ष को छोटा या सरल समझ लेते हैं लेकिन बाद में पता चलता है कि यह हमारी अज्ञता है। विगत वर्ष अपने अस्तित्व में संपूर्ण है, उसे उसके समूचेपन में ही समझना होगा।

नव वर्ष एक तरह का खूबसूरत फूल है, जिसमें आगामी भविष्य का बीज दिखता है।

हमारा समय चेहरों की योति, आंखों की आभा रेखाचित्रों की सरलता की रोशनी को नव वर्ष के द्वार पर दिखा देता है। यदि आप देखना चाहें या वैसी संभावना रखें। समय की सीढ़ियों के ये रेखाचित्र वास्तव में सरलता में जटिलता के अन्य रूप हैं। आगे की जटिलता या संश्लिष्टता को समझने के लिए समकाल के गहन परिप्रेक्ष्य को समझना होगा।

मानुषिक दीप्ति के तटबंध पर होती हुई समय व परंपरा की नदी नव वर्ष के रूप में अविराम गति से बहती चली जा रही है। बस, गोधूलि की सघन छाया से बढ़ते हुए अंधकार व गतसमय के गतिपथ को पहचानना आवश्यक है। वास्तव में नई शताब्दी की चुनौतियों के बीच नव वर्ष को स्मृति-स्तंभ की तरह मान सकते हैं क्योंकि हम प्रवाह में भी वहां खड़े रह सकते हैं, पुनरीक्षा कर सकते हैं और भविष्य की भंगिमा को रूपाकार दे सकते हैं।

खड़े रहने व चलने का द्वंद्व। नव वर्ष हमारी कला-स्मृति को उलीचने का संसाधन है। दीन के पक्ष में महोचार, जहां रूढ़ियां टूटती हैं। नया समय यानी काल का यह नव खंड जड़ता को तोड़ने का ही दूसरा नाम है। एक ऐसा नव समय आकांक्षित है, जिसमें दमित, निष्प्रेषित, अत्याचारित, हाहाकार भरे आर्तनाद और बंदी स्थिति को चुनौती दी जा सके तो सही माने में नव वर्ष है। नव वर्ष पर अपने को लाना मर्म, आशा, भरोसा व सही रोशनी देना है। अभिप्रायों की खोज प्रकारांतर से नव वर्ष की उजास है। यह अंतहीन मिलन है, विगत और सम का।

यानी समय व विवेक का... जैसे धान की पत्तियों में हरियाली और धान की खुशबू एकमेक हो जाती है, वैसे ही नव वर्ष नए स्वप्नों की आभा से जोड़कर हमें अंदर-बाहर दोनों से सुचित्रित कर देता है। वह हमारे लिए स्वप्नमय, कलामय, अन्नमय संसार व भविष्य रचता है।

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश चंद्र ने सभी का आभार जताया

। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधि से छात्रों व आचार्यों दोनों की ज्ञानवृद्धि होती है। कार्यक्रम में डॉ. राम चंद्र रजक, डॉ. शान्ति भूषण, डॉ. कफील अहमद के अलावा आचार्य, परास्नातक और शोध विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी ने किया बड़ा उलटफेर, सैंडर गिल और जोरन व्लिगेन को हराया

एजेंसी

म्यूनिख। युकी भांबरी और उनके फ्रांसीसी साथी अल्बानो ओलिवेटी ने बीएमडब्ल्यू ओपन के शुरुआती दौर में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट सैंडर गिल और जोरन व्लिगेन को 4-6, 7-6, 10-6 से हरा दिया। पहला सेट हारने के बाद, इंडो-फ्रेंच जोड़ी ने अगले दो सेटों में वापसी की और पिछले हफ्ते मोंटे-कार्लो मास्टर्स जीतने वाले गिले और व्लिगेन को हराया।

इससे पहले भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी माराकेच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी, जहां उन्हें दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रिया के लुकास मिडलर और अलेक्जेंडर एर्लर की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था। भांबरी-ओलिवेट्टी की जोड़ी वर्तमान में एटीपी रैंकिंग में 59वें स्थान पर हैं। भांबरी ने युगल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जनवरी में पुरुष एकल छोड़ दिया था। इस बीच, रुतुजा भोसले डब्ल्यू50 शेनझेन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, जो एक हार्ड-कोर्ट इवेंट था। रुतुजा युगल में भी चीन की येक्सिन मा के साथ साझेदारी करते हुए भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। एकल में रुतुजा का अगला मुकाबला चीन की लियू फांगझोउ से होगा, जबकि महिला युगल में रुतुजा और ये शिन मा का मुकाबला प्रार्थना थोम्बारे और एरियन हार्टोनो से होगा।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024: भारत ने नौ पदकों के साथ समाप्त किया अपना अभियान

एजेंसी

बिश्केक। भारतीय दल ने किर्गिस्तान के बिश्केक में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024 में नौ पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया, इन नौ पदकों में चार रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। मंगलवार को समाप्त हुई छह दिवसीय प्रतियोगिता में कुल 30 भारतीय पहलवानों ने भाग लिया। 30 पहलवानों में से दस ने पुरुष फ्रीस्टाइल, 10 ने पुरुष ग्रीको-रोमन और 10 ने महिला फ्रीस्टाइल में भाग लिया।

पुरुषों की फ्रीस्टाइल में, अंडर-20 एशियाई चैंपियन, उदित ने 57 किग्रा में रजत पदक जीता, जबकि अभिमन्यु (70 किग्रा) और विक्की (97 किग्रा) ने पहले दिन अपने-अपने वजन वर्गों में कांस्य पदक जीते। वहीं, महिला कुश्ती में 23 साल की राधिका ने शनिवार को 68 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि शिवानी पवार ने 50 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। अंजू और हर्षिता ने क्रमशः 53 किग्रा और 72 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीते। पहलवान मनीषा (62 किग्रा) और अंतिम पंघाल (65 किग्रा) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंजू को फाइनल में डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की जी हयांग किम से 10-0 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हर्षिता महिलाओं के 72 किग्रा के स्वर्ण पदक मैच में चीन की कियान जियांग से 5-2 से हार गईं और रजत पदक हासिल किया।

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता और दो बार की एशियाई चैंपियन सरिता मोर, जो महिलाओं के 57 किग्रा में शामिल थीं, क्वार्टर फाइनल में अपना मैच हारकर खाली हाथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अम्मान में आयोजित महाद्वीपीय चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में, भारतीय पहलवानों ने 14 पदक जीते, जिसमें एक स्वर्ण, तीन रजत और दस कांस्य पदक शामिल थे। अब तक, भारत ने कुश्ती में केवल एक पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया है। 2023 विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के 53 किग्रा में कांस्य पदक जीतने के बाद अंतिम पंघाल ने ग्रीष्मकालीन खेलों में अपना स्थान पक्का कर लिया।

बायर लेवरकुसेन के पहली बार बुंडेसलीगा जीतने पर थॉमस ब्रडारिक ने ज़ाबी अलोंसो की टीम की प्रशंसा

एजेंसी

अहमदाबाद। थॉमस ब्रडारिक को बायर लेवरकुसेन में 2001-02 सीज़न में दिल दहला देने वाले सीज़न का सामना करना पड़ा। जर्मन क्लब तिहरे लक्ष्य का पीछा कर रहा था लेकिन अंततः कुछ भी नहीं जीत सका। और रविवार को, जब ज़ाबी अलोंसो के बहादुरों ने क्लब के 119 साल के इतिहास में पहली बार बुंडेसलीगा पर बायर्न म्यूनिख की 11 साल की पकड़ को समाप्त करते हुए खिताब हासिल किया, तो ब्रडारिक बेयरकुसेन के घरेलू मैदान - बायएरेना में था - अपने क्लब के लिए समर्थन कर रहा था। आप ऐसी घटना को मिस नहीं कर सकते। क्या आप कर सकते हैं? जर्मन राष्ट्रीय टीम के पूर्व खिलाड़ी ने बुधवार को लीवरकुसेन से द टेलीग्राफ को बताया। 49 वर्षीय ब्रडारिक, कुवैती क्लब अल अरबी स्पोर्ट्स क्लब के साथ अपनी नौकरी छोड़ने के बाद इस सीज़न में बेएरेना में नियमित रूप से शामिल हैं। दिसंबर के बाद से मैंने हर मैच देखा है।

आर्सेनल को हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचा बायर्न म्यूनिख

एजेंसी

बर्लिन। जोशुआ किमिच के एकमात्र गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने दूसरे चरण में आर्सेनल को 1-0 (कुल मिलाकर 3-2) से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग के अंतिम चार में प्रवेश किया।

बायर्न म्यूनिख ने घरेलू दर्शकों के सामने शानदार शुरुआत की। मैच के शुरुआती मिनट में हैरी केन गोल करने के बेहद करीब थे, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट से चूक गया। इसके बाद दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल करने के कई मौके बनाए, लेकिन सफलता नहीं मिली और पहला हॉफ गोल रहित समाप्त हुआ। बायर्न ने दूसरे हाफ में जोरदार शुरुआत की। लियोन गोरेत्ज़का ने हेडर के जरिये गोल करने की कोशिश की, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा कर वापस आया, जिसपर राफेल गुएरेइरो ने रिबाउंड शॉट मारा, हालांकि यह शॉट बेकार गया और गेंद बाएं गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गई।

मैच के 63वें मिनट में आखिरकार जोशुआ किमिच ने बेहतरीन गोल करते हुए बायर्न को 1-0 की बढ़त दिला दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ ही बायर्न ने 2020 के बाद अपने पहले सेमीफाइनल में प्रवेश किया, उसी वर्ष जब उसने चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीती थी। सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख का सामना रियल मैड्रिड से होगा।

रियल मैड्रिड ने मैन सिटी को चैंपियंस लीग से बाहर कर दिया

एजेंसी

मैनचेस्टर। होल्डर्स मैनचेस्टर सिटी को एतिहाद स्टेडियम में रियल मैड्रिड द्वारा पेनल्टी पर 4-3 से हराया गया था, जब वे 1-0 से पिछड़ने के बाद कुल स्कोर 4-4 से बराबरी पर थे, क्योंकि उनकी लगातार दूसरी तिहरा जीत की उम्मीदें खत्म हो गई थीं। रियल मैड्रिड ने होल्डर्स सिटी पर नाटकीय पेनल्टी शूट-आउट जीत के बाद 15वें यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब के लिए अपनी खोज जारी रखी और लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले दस मिनट तनावपूर्ण उत्तर थे। जब तक कैमाविंगा ने लक्ष्य पर शॉट नहीं लगाया तब तक दोनों टीमें शतरंज के खेल की तरह बैठकर एक-दूसरे का अध्ययन करती रहीं। एडर्सन ने 11वें मिनट में क्षेत्र के किनारे से उनके प्रयास को पकड़ लिया, एक मौका जो गोल की प्रस्तावना था जिसने मैड्रिड को निम्नलिखित चाल में बढ़त दिला दी।वाल्वरडे ने डिफेंस के पीछे एक गेंद खेली, विनी जूनियर ने दाहिना विंग तोड़ दिया और बॉक्स में निचले स्तर को पार कर गई। रोड्रिगो शॉट, एडरसन ने ब्राजीलियाई के शुरुआती प्रयास को बचाया और फॉरवर्ड ने रिबाउंड में एतिहाद स्टेडियम को चौंका दिया (0-1, 11वां मिनट) इसने सिटी को फ्रंटफुट पर जाने के लिए प्रेरित किया, और घरेलू टीम पीछे जाने के सात मिनट बाद ही करीब आ गई जब एर्लिंग हैलैंड का लूपिंग हेडर क्रॉसबार से टकराया।

बार्सिलोना ओपन के दूसरे दौर में हारे राफेल नडाल

एजेंसी

बार्सिलोना। चोट से वापसी कर रहे राफेल नडाल की बार्सिलोना ओपन में वापसी दूसरे दौर में समाप्त हो गई, जब उन्हें ऑस्ट्रेलिया के चौथे वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने एक घंटे और 50 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-1 से हरा दिया। 37 वर्षीय स्पैनियार्ड ने पहले सेट में दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी के साथ अच्छी प्रतिस्पर्धा की, हालांकि दूसरे सेट में फिटनेस की कमी कारण वह ज्यादा चुनौती नहीं दे सके और मिनौर ने सेट और मैच आसानी से जीत लिया। पूर्व विश्व नंबर एक और बार्सिलोना में 12 बार के विजेता, नडाल ने मंगलवार को पहले दौर में इटली के फ्लेवियो कोबोली पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज कर दूसरे दौर में जगह बनाई थी। बार्सिलोना में अन्य परिणामों में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट ने एंड्रिया वावसोरी को 4-6, 6-3, 6-1 से हराया, जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड, एलेक्जेंडर मुलर के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत के साथ तीसरे दौर में पहुंच गए। छठे वरीय उगो हम्बर्ट, दुसान लाजोविच से 6-4, 6-4 से हारकर बाहर हो गए और नौवें वरीय निकोलस जेरी भी मार्को ट्रुगेलिटी के खिलाफ 7-6(5) 6-3 से हार गए।

गुजरात टाइटंस ने बनाया आईपीएल इतिहास का सबसे कम स्कोर

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में अपना सबसे कम स्कोर दर्ज किया। गुजरात की टीम दिल्ली के खिलाफ केवल 89 रन पर सिमट गई।

गेंदबाजों के बाद, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल और शाई होप के बेहतरीन बल्लेबाजी की दौलत दिल्ली ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज की। आईपीएल के 17वें संस्करण के 32वें मैच में गुजरात की टीम अपने सबसे कम स्कोर सिर्फ 89 रन पर आउट हो गई। आईपीएल में गुजरात का इससे पहले सबसे कम स्कोर 2023 में दिल्ली के खिलाफ 125/6, 2024 में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 130 और एलएसजी के खिलाफ 135/6 रहा है। कम स्कोर पर आउट होने वाली टीमों की सूची में टाइटंस शीर्ष पर है। 17वें संस्करण के 32वें मैच के दौरान पिछले साल की फाइनलिस्ट सिर्फ 89 रन पर आउट हो गई। दिल्ली के खिलाफ कम स्कोर पर आउट होने वाली अन्य टीमों में मुंबई इंडियंस (आईपीएल 2012 में 92 रन), राइजिंग पुणे सुपर जाइंट्स (आईपीएल 2017 में 108 रन) और चेन्नई सुपर किंग्स (आईपीएल 2012 में 110/8) शामिल है।

दिल्ली के खिलाफ टीम के खराब प्रदर्शन पर शुभमन गिल ने कहा- हमारी बल्लेबाजी बहुत औसत थी

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के कम स्कोर वाले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ हार के बाद, गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि उनकी टीम की बल्लेबाजी बहुत औसत थी। गेंदबाजों के बाद, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल और शाई होप के बेहतरीन बल्लेबाजी की दौलत दिल्ली ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज की। दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने कहा कि हमने खराब बल्लेबाजी की, विकेट में कोई कमी नहीं थी। गिल ने मैच के बाद कहा, हमारी बल्लेबाजी बहुत औसत थी, और आगे बढ़ना और मजबूत वापसी करना महत्वपूर्ण है। विकेट ठीक था, अगर आप कुछ आउट हुए खिलाड़ियों को देखें, तो इसका पिच से कोई लेना-देना नहीं था। मैं कहूंगा कि बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले। जब विपक्षी टीम 89 रनों का पीछा कर रही है और कोई गेंदबाज जब तक दोहरी हैट्रिक नहीं ले लेता, विपक्षी टीम हमेशा खेल में बनी रहेगी। यह हमारे लिए सीज़न का आधा पड़ाव है, हमने 3 जीते हैं और उम्मीद है कि हम अगले 7 मैचों में से हम 5-6 मैच जीतेंगे।

जिम्बाब्वे ने कर्टनी वॉल्श को महिला टीम का कोचिंग सलाहकार नियुक्त किया

एजेंसी

अबू धाबी। जिम्बाब्वे ने 25 अप्रैल से अबू धाबी में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर 2024 से पहले वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श को महिला टीम का कोचिंग सलाहकार नियुक्त किया है।

वाल्टर चावागुटा द्वारा प्रशिक्षित जिम्बाब्वे महिला टीम ने हाल ही में अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और अब इस साल के अंत में बांग्लादेश में होने वाले मुख्य महिला टी20 विश्व कप आयोजन के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश कर रही है। जिम्बाब्वे मेजबान यूएई, आयरलैंड, नीदरलैंड और वानुअतु के साथ ग्रुप बी में है। वाल्श, जिन्होंने 132 मैचों में 519 टेस्ट विकेट लिए, अक्टूबर 2020 से अप्रैल 2023 तक वेस्टइंडीज महिला टीम के मुख्य कोच रहे। उनके नेतृत्व में, टीम न्यूजीलैंड में 2022 महिला एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची, जहां टीम को अंतिम विजेता ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर मकोनी ने एक बयान में कहा,वाल्श दुनिया के महानतम क्रिकेटरों में से एक हैं और हमारा मानना है कि विशेष रूप से महिलाओं के खेल के उच्चतम स्तर पर उनका अनुभव साल के अंत में मुख्य वैश्विक टूर्नामेंट में दो स्थानों में से एक को सुरक्षित करने की हमारी संभावनाओं को बढ़ावा देगा।

उन्होंने कहा, हम अबू धाबी में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान के लिए तकनीकी सलाहकार के रूप में कर्टनी को लाने में सक्षम होने के लिए खुद को भाग्यशाली मानते हैं। दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। अपने-अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने वाली टीमें विरोधी ग्रुप के दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेंगी। 5 मई को होने वाले सेमीफाइनल के विजेता 7 मई को क्वालीफायर फाइनल में भिड़ेंगे। विजेता टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई करेगी।

वाल्टर चावागुटा द्वारा प्रशिक्षित जिम्बाब्वे महिला टीम ने हाल ही में अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और अब इस साल के अंत में बांग्लादेश में होने वाले मुख्य महिला टी20 विश्व कप आयोजन के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश कर रही है।

ब्राजीली दिग्गज रोमारियो 58 साल की उम्र में करेंगे पेशेवर फुटबॉल में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रोमारियो फारिया ने 58 साल की उम्र में पेशेवर फुटबॉल में अपनी चौंकाने वाली वापसी की है। इससे पहले 2009 में उन्होंने शानदार करियर के बाद फुटबॉल से संन्यास ले लिया था।

58 वर्षीय फारिया का करियर काफी सफल रहा है। उन्होंने 1994 में ब्राजील के साथ प्रतिष्ठित फीफा विश्व कप जीता। उन्होंने डच दिग्गज पीएसवी और ला लीगा टीम बार्सिलोना के लिए भी खेला। 1994 विश्व कप में, रोमारियो ने पांच गोल किए जिससे सेलेकाओ को प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने में मदद मिली। अपने फुटबॉल करियर में, ब्राज़ीलियाई फुटबॉल दिग्गज ने 1000 से अधिक गोल किए। गोल.कॉम के अनुसार, रोमारियो ने खुद को अमेरिका फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी के रूप में पंजीकृत कराया है। वह क्लब के अध्यक्ष के रूप में भी काम करेंगे जहां उनके बेटे रोमारिन्हो उनके साथ खेलेंगे।फुटबॉल में वापसी के बाद ब्राज़ीलियाई खिलाड़ी क्लब से न्यूनतम वेतन लेंगे और अपना सारा वेतन दान में देंगे।रोमारियो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कहा कि वह चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे बल्कि अपने बेटे के साथ कुछ मैच खेलेंगे।

रोमारियो ने कहा, मैं चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा नहीं करने जा रहा हूं, बल्कि अपने दिल की टीम के लिए कुछ मैच खेलूंगा और अपने बेटे के साथ खेलकर एक और सपना साकार करूंगा।वर्तमान में, अमेरिका फुटबॉल क्लब ब्राज़ील के कैम्पियोनाटो कैरिओका के दूसरे डिवीजन में खेलता है। वे एक नए सीज़न की शुरुआत की भी तैयारी कर रहे हैं, जो 18 मई से शुरू होगा।

डब्ल्यूसीपीएल 2024 का आयोजन 21 से 29 अगस्त तक, त्रिनिदाद और टोबैगो करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) 2024 का आयोजन 21 से 29 अगस्त तक त्रिनिदाद और टोबैगो में किया जाएगा। टूर्नामेंट में तीन टीमें बारबाडोस रॉयल्स, गुयाना अमेज़ॉन वॉरियर्स और ट्रिनबागो नाइट राइडर्स शामिल होंगी।

टूर्नामेंट में छह रुप मैच होंगे और फाइनल मुकाबला 29 अगस्त को खेला जाएगा। यह पहली बार होगा कि डब्ल्यूसीपीएल पुरुषों की रिपब्लिक बैंक कैरेबियन प्रीमियर लीग से पहले होगा, जिसमें पूरे क्षेत्र और दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। कैरेबियन प्रीमियर लीग के सीईओ पीट रसेल ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, हम इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए सहमत होने के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो को धन्यवाद देना चाहते हैं और हम पुरुषों के टूर्नामेंट शुरू होने से पहले डब्ल्यूसीपीएल के आयोजन को लेकर उत्साहित हैं। त्रिनिदाद और टोबैगो सरकार ने महिलाओं के खेल के प्रति जो प्रतिबद्धता दिखाई है वह अभूतपूर्व है और हम 21 से 29 अगस्त तक इन सात मैचों में विश्व स्तरीय क्रिकेट की एक और शानदार प्रदर्शनी की उम्मीद कर रहे हैं।

खेल और सामुदायिक विकास मंत्री, शम्फा कुडजो-लुईस ने कहा, हमें एक बार फिर महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है, जहां पूरे क्षेत्र से खेल में महिलाओं की असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया जाएगा। यह टूर्नामेंट हमारी महिला क्रिकेटरों के अविश्वसनीय कौशल को उजागर करता है और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और खेल में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। खेल और सामुदायिक विकास मंत्रालय त्रिनिदाद और टोबैगो में महिला क्रिकेट और खेल पर्यटन की प्रगति का नेतृत्व करने में गर्व महसूस करता है और हम क्रिकेट उत्कृष्टता के एक शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों और प्रशंसकों का हमारे तटों पर स्वागत करने के लिए तत्पर हैं।

आई-लीग 2023-24 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए एलेजांद्रो सांचेज़ लोपेज़

एजेंसी

नई दिल्ली। गोकुलम केरल एफसी के खिलाड़ी एलेजांद्रो सांचेज़ लोपेज़ ने आई-लीग 2023-24 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सर्वोच्च स्कोरर का पुरस्कार जीता। लोपेज़ ने लीग के 22 मैचों में 19 गोल किये और शीर्ष स्कोरर रहे। हालाँकि उनका क्लब, गोकुलम केरल एफसी आई-लीग तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को आई-लीग 2023-24 सीज़न के पुरस्कार विजेताओं की सूची की घोषणा की। आई-लीग का एक और सीज़न समाप्त हो गया है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपना पहला राष्ट्रीय लीग खिताब जीता और इंडियन सुपर लीग में पदोन्नति हासिल कर ली। मोहम्मडन स्पोर्टिंग का सीज़न समग्र रूप से बहुत अच्छा रहा, कई खिलाड़ियों और टीम ने खेल के विभिन्न क्षेत्रों में चमक बिखेरी। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के पदम छेत्री ने कोलकाता की ओर से कुछ शानदार प्रदर्शन किए, जिससे उन्हें सीज़न के दौरान विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण अंक अर्जित करने में मदद मिली। उन्हें लीग का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। इस बीच, उनके साथी मिराजलोल कासिमोव को सीज़न का सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर नामित किया गया। रियल कश्मीर ने अपने 24 मैचों में केवल 19 गोल खाए और उनके कप्तान मुहम्मद हम्माद ने उनके लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम्माद को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए जरनैल सिंह पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया। उन्नीस वर्षीय विंगर जिमर निकुम को सीज़न के सर्वश्रेष्ठ उभरते खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया। 15 जीत, सात ड्रॉ और केवल दो हार के साथ, मोहम्मडन स्पोर्टिंग के मुख्य कोच एंड्री चेर्निशोव को सीज़न के सर्वश्रेष्ठ कोच के लिए सैयद अब्दुल रहीम पुरस्कार से नवाजा गया। वहीं, टीआरएयू एफसी की टीम को फेयर प्ले पुरस्कार दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: एलेजांद्रो सांचेज़ लोपेज (गोकुलम केरल एफसी-पुरस्कार राशि एक लाख रुपये)

सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर: पदम छेत्री (मोहम्मडन स्पोर्टिंग पुरस्कार राशि-केवल एक लाख रुपये)

सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए जरनैल सिंह पुरस्कारः मुहम्मद हम्माद (रियल कश्मीर एफसी-केवल एक लाख रुपये)

सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरः मिर्जालोल कासिमोव (मोहम्मडन स्पोर्टिंग-केवल एक लाख रुपये)

सर्वोच्च स्कोररः एलेजांद्रो सांचेज़ लोपेज (गोकुलम केरल एफसी-19 गोल) (केवल एक लाख रुपये)

सर्वश्रेष्ठ उभरते खिलाड़ीः ग्यामर निकुम (इंटर काशी-केवल एक लाख रुपये)

सर्वश्रेष्ठ कोच के लिए सैयद अब्दुल रहीम पुरस्कारः एंड्री चेर्निशोव (मोहम्मडन स्पोर्टिंग)

फेयर प्ले प्रतियोगिता के विजेताः टीआरएयू एफसी (केवल एक लाख रुपये)

सर्वश्रेष्ठ मैच संगठनः मोहम्मडन स्पोर्टिंग (रु. एक लाख मात्र)

यूएसए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टुअर्ट लॉ क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

एजेंसी

डलास। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टुअर्ट लॉ को ICC T20 विश्व कप से ठीक पहले अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली T20द्व श्रृंखला से पहले यूएसए पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, देश के क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है। लॉ का एक विशिष्ट कोचिंग करियर रहा है, जो तब शुरू हुआ जब उन्हें 2009 में श्रीलंका का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। उनका पहला मुख्य कोच पद 2011-12 में बांग्लादेश के साथ था। इसके बाद उन्होंने दो साल के अनुबंध पर 2017-2018 तक वेस्टइंडीज की कमान संभाली। 2022 में, उन्हें अफगानिस्तान का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया था और बाद में उसी वर्ष लॉ को बांग्लादेश अंडर-19 क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2019-21 तक इंग्लिश काउंटी टीम, मिडलसेक्स को भी कोचिंग दी है। इस समय यूएसए क्रिकेट में शामिल होना एक रोमांचक अवसर है। संयुक्त राज्य अमेरिका खेल में सबसे मजबूत एसोसिएट देशों में से एक है, और मेरा मानना है कि हम आगे चलकर एक मजबूत टीम तैयार कर सकते हैं। पहला काम बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम को तैयार करना होगा और फिर अपने घरेलू विश्व कप पर नजरें जमाना होगा, जो बहुत बड़ा होगा।

ओला एस1एक्स की शुरूआती कीमत 69999 रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने भारतीय ईलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में आम आदमी तक पहुंचने के उद्देश्य से एस1एक्स पोर्टफोलियो (2 किलोवॉट घंटा, 3 किलोवॉट घंटा, और 4 किलोवॉट घंटा) के लिए नई

कीमतों की घोषणा की, जो 69,999 रुपये (2 किलोवॉट घंटा के लिए आमंत्रण मूल्य) से शुरू होंगी। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एस1एक्स की डिलीवरी पूरे भारत में अगले सप्ताह से शुरू होंगी। एस1प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्स प्लस क्रमशः 1,29,999 रुपये, 1,04,999 रुपये, और 84,999 रुपये में उपलब्ध होंगे।

2024 में कम आर्थिक विकास और व्यापार में गिरावट से विकास होगा प्रभावित: अंकटाड

एजेंसी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) ने गिरते निवेश और कमजोर वैश्विक व्यापार का हवाला देते हुए 2024 में विकास में और गिरावट आने की चेतावनी देते हुये कहा है कि इस वर्ष वैश्विक विकास 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि वर्ष 2023 में यह 2.7 प्रतिशत रहा है। अंकटाड ने अपनी नयी रिपोर्ट में कहा है कि ब्याज दरों में कटौती की संभावना से सरकारों और व्यवसायों के लिए राजकोषीय दृष्टिकोण में सुधार हो सकता है, लेकिन मौद्रिक नीति अकेले सभी गंभीर वैश्विक चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकती है। निवेश और व्यापार को पुनर्जीवित करने, पूर्ण रोजगार का समर्थन करने और उचित आय वितरण की रणनीतियाँ मजबूत विकास और एसडीजी को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

महिंद्रा ने पेश की नयी नौ सीटर बोलेरो नियो प्लस

एजेंसी

मुंबई। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने नौ सीटों की क्षमता वाली बोलेरो नियो प्लस 9-सीटर पेश की।कंपनी ने कहा है कि इसके दो संस्करण- पी4 और प्रीमियम पी10 पेश किए जा रहे हैं । कंपनी ने यह भी कहा है कि बोलेरो नियो प्लस 9-सीटर ईंधन दक्षता बढ़ाने के लिए माइक्रो-हाइब्रिड प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है।

ब्रिजस्टोन ने प्रीमियम यात्री वाहनों के लिए पेश किया तुरांजा 6 आई नया प्रीमियम टायर

एजेंसी

गुरूग्राम । टायर बनाने वाली कंपनी ब्रिजस्टोन इंडिया ने प्रीमियम यात्री वाहनों के लिए इंलाइटेन प्रौद्योगिकी आधारित ब्रिजस्टोन तुरांजा 6 आई प्रीमियम टायर लॉंच करने की घोषणा की है जो एसयूवी, सीयूवी, सेडान और हैचबैक को सहज और शांत सवारी के माध्यम से प्रीमियम आरामदायक सवारी अनुभव प्रदान करता है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 14 इंच से लेकर 20 इंच तक के 36 मॉडल में यह नया टायर उपलब्ध है। यह टायर विशेष रूप से भारतीय सड़कों के लिए विकसित किया गया है, जो बेहतर ईंधन दक्षता और टिकाऊपन के साथ प्रीमियम आरामदायक सवारी अनुभव प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रीमियम वाहनों के लिए इस नए प्रीमियम टायर का लॉन्च सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रति ब्रिजस्टोन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सर्राफा बाजार में जारी तेजी पर ब्रेक, सोना और चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। रामनवमी बीतने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में जारी तेजी पर ब्रेक लगता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि आज की गिरावट के बावजूद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में आज भी 24 कैरेट सोना 74,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 68 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी में भी आज मामूली गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 86,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 74,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,940 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 74,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,020 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 74,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 74,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,170 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 74,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 74,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कच्चा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। ब्रेंट क्रूड 88 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर

उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.23 डॉलर यानी 0.26 फीसदी उछलकर 87.61 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.15 डॉलर यानी 0.18 फीसदी की बढ़त के साथ 82.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

भारत से दुबई के लिए एयर इंडिया और इंडिगो ने रद्द की उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट में शामिल संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में भारी बारिश के कारण पूरा शहर जलमग्न हो गया है। दुबई का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी इससे अछूता नहीं रहा। देश के विभिन्न शहरों से दुबई के लिए उड़ानों का संचालन करने वाली एयर इंडिया और इंडिगो ने अपनी उड़ानें फिलहाल रद्द कर दी हैं।

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया और इंडिगो हफ्ते में दुबई समेत संयुक्त अरब अमीरात के विभिन्न शहरों लिए करीब 72 उड़ानों का संचालन करती हैं। इंडिगो ने 'एक्स पोस्ट' पर कहा कि खराब मौसम और सड़क अवरोधों के कारण हवाई अड्डे पर प्रतिबंधों और परिचालन चुनौतियों के कारण दुबई आने-जाने वाली उड़ानें 18 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइन ने कहा कि उड़ान विकल्पों की जानकारी के लिए https:it.ly/x{uyMh~ पर पूर्ण वापसी का अनुरोध करें।

एयर इंडिया ने बयान में कहा कि कल खराब मौसम के कारण दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सबी) पर उड़ान संचालन फिलहाल बाधित है, जिसके कारण रद्दीकरण और उड़ानों में देरी हो रही है। एयरलाइन ने कहा कि वैकल्पिक विकल्प या पूर्ण रिफंड का विकल्प चुनने के लिए 24*7 संपर्क केंद्र 91 116 932 9333 या 91 116 932 9999 पर संपर्क करें। उल्लेखनीय है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट दुनिया के सबसे व्यस्त एयर हब के तौर पर जाना जाता है। भारत से एयर इंडिया एयरलाइन और इंडिगो एयरलाइन के अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस, विस्तारा एयरलाइंस और स्पाइसजेट भी दुबई के लिए अपनी उड़ानों का संचालन करती हैं।

यूएनसीटीएडी ने 2024 में जीडीपी 6.5 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली। मूडीज रेटिंग्स और आईएमएफ के बाद संयुक्त राष्ट्र की संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास (यूएनसीटीएडी) ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था 2024 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया गया है।

यूएनसीटीएडी ने मंगलवार देर रात जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत 2023 में 6.7 फीसदी की दर से बढ़ी है, जिसकी वर्ष 2024 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास की रिपोर्ट के मुताबिक बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के लिए देश में अपनी विनिर्माण प्रक्रियाओं का विस्तार कर रही हैं, जिसका भारतीय निर्यात पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में हुई वृद्धि मजबूत सार्वजनिक पूंजीगत निवेश

ओर सेवा क्षेत्र की वृद्धि से प्रेरित रही है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, रेटिंग एजेंसी मूडीज और एशियाई विकास बैंक ने कैलेंडर वर्ष 2024 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया है। हालांकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 7 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया है।

इफको का नैनो यूरिया प्लस तीन साल के लिए अधिसूचित, कीमत 225 रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने नैनो यूरिया प्लस को तीन साल के लिए अधिसूचित किया है। इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) का नैनो यूरिया प्लस उसके नैनो यूरिया का उन्नत फॉर्मूलेशन है। इसकी अधिसूचना जारी होने के साथ ही किसानों को नैनो यूरिया प्लस मिलना शुरू हो जाएगा। इफको के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. यूएस अवस्थी ने नैनो यूरिया प्लस की अधिसूचना जारी होने की जानकारी देते हुए कहा कि इफको का नैनो यूरिया प्लस (तरल) 16 फीसदी

नाइट्रोजन 2/2 जो कि 20 फीसदी नाइट्रोजन 2/1 के बराबर है। इसको भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने तीन साल के लिए अधिसूचित किया है। उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया प्लस की कीमत में वृद्धि नहीं की गई है। यह 225 रुपये की दर से 500 मिली. की बोतलों में उपलब्ध है। अवस्थी ने कहा कि नैनो यूरिया प्लस इफको का नैनो यूरिया का उन्नत फॉर्मूलेशन है, जो फसल विकास के महत्वपूर्ण चरणों में नाइट्रोजन की जरूरतों को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि इससे मिट्टी की उर्वरता को बढ़ावा मिलेगा। अवस्थी ने बताया कि इसका उद्देश्य किसानों को फायदा पहुंचाना और स्थाई पर्यावरण बनाना है। उन्होंने कहा कि यह सूक्ष्म पोषक तत्वों को बढ़ावा देता है। यह एक क्लोरोफिल चार्जर है, जो बदलती जलवायु में खेती में मदद करता है।

आईआईएफएल फाइनेंस का राइट्स शेयर निर्गम 30 अप्रैल से

एजेंसी

नई दिल्ली। आईआईएफएल फाइनेंस ने वर्तमान शेयरधारकों के लिए करीब 1272 करोड़ रुपये का राइट्स शेयर निर्गम लाने की घोषणा की। यह निर्गम 30 अप्रैल से 15 मई तक खुला रहेगा। कंपनी ने मुंबई शेयर बाजार को दी गयी एक सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल की आज हुई बैठक में यह निर्णय किया गया।

वालमार्ट मार्केटप्लेस ने भारतीय विक्रेताओं के लिए समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च किया

एजेंसी

जयपुर। वालमार्ट ने भारतीय विक्रेताओं के लिए कंपनी की मार्केटप्लेस वेबसाइट वालमार्ट डॉट कॉम पर एक समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करने की घोषणा की। इसके माध्यम से वे साइट पर पंजीकरण एवं बिक्री कर सकेंगे। साथ ही वालमार्ट ने क्षेत्रीय स्तर पर सम्मेलनों की श्रृंखला शुरू करते हुए जयपुर, राजस्थान में पहले वैश्विक विक्रेता सम्मेलन का आयोजन भी किया। इन सम्मेलनों के माध्यम से संभावित विक्रेताओं को उपभोक्ताओं एवं कैटेगरी ट्रेंड्स से जुड़ी इनसाइट्स एवं जानकारी प्रदान करते हुए मदद की जाएगी और ऑनबोर्डिंग सपोर्ट व कैटलॉग सेटअप में सहयोग किया जाएगा। सालभर पूरे देश में वैश्विक विक्रेता सम्मेलन आयोजित करने की योजना है। वालमार्ट मार्केटप्लेस को 2021 में भारतीय विक्रेताओं के लिए खोला गया था। वर्तमान में इस मार्केटप्लेस पर भारत में बनाए गए, विकसित किए गए या असेंबल किए

गए उत्पादों के हजारों एसकेयू हैं। वालमार्ट का अमेरिकी मार्केटप्लेस दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। पिछले वित्त वर्ष में इसका राजस्व 45 प्रतिशत बढ़ा, जबकि वालमार्ट के विक्रेता 20 प्रतिशत बढ़े।

वालमार्ट नए विक्रेताओं से कोई मासिक शुल्क या सेटअप का शुल्क नहीं लेता है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने न्यू सेलर सेविंग्स प्रोग्राम का एलान किया था, जिसमें प्रतिभागियों को वालमार्ट डॉट कॉम पर पहले 90 दिन रेफरल और वालमार्ट फुलफिलमेंट सर्विसेज (डब्ल्यूएफएस) फीस में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। डब्ल्यूएफएस से विक्रेताओं को अपनी इन्वेंटरी को अमेरिकी ग्राहकों के नजदीक लाने का सुविधाजनक एवं किफायती समाधान मिलता है।

वालमार्ट की इमर्जिंग मार्केट्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट वाइस प्रेसिडेंट मिशेल मी ने कहा, 'वालमार्ट के लिए भारत प्राथमिकता वाला बाजार है और समर्पित लैंडिंग पेज लॉन्च करना भारतीय विक्रेताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वालमार्ट मार्केटप्लेस विक्रेताओं को दुनियाभर के ग्राहकों तक पहुंच प्रदान करते हुए भारतीय कंपनियों की क्षमता को अनलॉक करने के लिए प्रयासरत है। समर्पित ऑनबोर्डिंग सपोर्ट और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेविगेट करने की हमारी विशेषज्ञता के माध्यम से हम विक्रेताओं को ऐसे उपकरणों से सशक्त करते हैं, जिनकी उन्हें अमेरिका व अन्य मार्केटप्लेस में आगे बढ़ने के लिए जरूरत है।' अभी अमेरिकी मार्केटप्लेस में भारतीय विक्रेता कीमत पर पूरे नियंत्रण के साथ होम टेक्सटाइल, बाथ, होम डेकोर, कपड़े, आभूषण, खिलौने और सौंदर्य प्रसाधन समेत विभिन्न श्रेणियों में इन्वेंटरी को सूचीबद्ध कर सकते हैं। कंपनी अपने मार्केटप्लेस पर विभिन्न श्रेणियों में भारतीय विनिर्माताओं और ब्रांड मालिकों को जोड़ना चाहती है और लाखों ग्राहकों के लिए मूल्य सृजित करना चाहती है। वालमार्ट डॉट कॉम पर बिक्री से कंपनियों को डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने में मदद मिलती है, साथ ही उन्हें निर्यात प्रक्रियाओं को नेविगेट करने और अमेरिकी उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को समझने में मदद मिलती है। भारतीय सेलर्स यहां क्लिक करके वालमार्ट मार्केटप्लेस पर आवेदन कर सकते हैं।

मतदान के दिन 19 अप्रैल को इन शहरों में बंद रहेंगे बैंक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में लोकसभा चुनाव 2024 में पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। पहले चरण में जिन शहरों में मतदान होगा, वहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के दोनों ही दफ्तरों में अवकाश रहेगा। ऐसे में किन-किन शहरों में 19 अप्रैल को बैंक बंद रहेंगे। यह जानना बहुत जरूरी है, ताकि आपको कोई असुविधा न हो।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी निर्देश के मुताबिक 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान के दिन संबंधित शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा कुछ राज्य सरकारों ने पहले ही मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश का ऐलान किया है। पहले चरण में 19 अप्रैल को चेन्नई, देहरादून, ईटानगर, जयपुर, कोहिमा, नागपुर और शिलांग में बैंकों में अवकाश रहेगा। इन राज्यों के अलावा असम, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और

पुडुचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में भी पहले चरण में आम चुनाव हैं। हालांकि, आरबीआई ने इन राज्यों में बैंकों की छुट्टी पर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। 19 अप्रैल को उत्तराखंड में मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। नगालैंड ने पहले ही ऐलान किया है कि राज्य में सरकारी, निजी और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सभी कर्मचारियों मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश मिलेगा, ताकि वे मतदान के दौरान अपना वोट डाल सकें। तमिलनाडु सरकार ने भी 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश का ऐलान किया है। इस दिन सभी 39 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा और विलावनकोड विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव भी होगा।

अंबुजा सीमेंट में अडानी परिवार की हिस्सेदारी हुयी 70.3 प्रतिशत

एजेंसी

नई दिल्ली। अडानी समूह की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड में अडानी परिवार ने 8,339 करोड़ रुपये का निवेश करके अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 70.3 प्रतिशत करने की आज घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि कुल 20,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। अडानी परिवार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़ाकर 70.3 प्रतिशत कर ली है।

उसने कहा कि यह रणनीतिक कदम पोर्टफोलियो कंपनियों के लिए मजबूत पूंजी प्रबंधन दर्शन की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और नवीनतम निवेश भविष्य की संभावनाओं और सीमेंट वर्टिकल की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अडानी परिवार की प्रतिबद्धता की गवाही देता है। अतिरिक्त निवेश कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करेगा, जिससे उसे अपनी महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और बाजार में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए उन्नत क्षमताएं मिलेंगी। सीमेंट वर्टिकल द्वारा 2028 तक 14 करोड़ टन प्रति वर्ष की क्षमता को पूरा करने के लिए धनराशि महत्वपूर्ण होगी। इसके अलावा, यह परिचालन प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए पूंजीगत व्यय को कम करने के साथ-साथ संसाधनों, आपूर्ति श्रृंखला में दक्षता लाने सहित विभिन्न रणनीतिक पहलों को भी सक्षम करेगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास से प्रेरित क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से नवाचार और उत्पाद वृद्धि को भी बढ़ावा देगा। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अजय कपूर ने कहा, ÷हम अंबुजा में अडानी परिवार के 20,000 करोड़ रुपये के प्राथमिक निवेश के पूरा होने की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। विकास, पूंजी प्रबंधन पहल और सर्वोत्तम श्रेणी की बैलेंस शीट ताकत न केवल हमारे दृष्टिकोण और व्यवसाय मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण है, बल्कि हमारे हितधारकों को दीर्घकालिक टिकाऊ मूल्य सृजन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है और यह हमें प्रेरित करेगी। हमारे विकास में तेजी लाने के लिए नए मानक स्थापित करने की दिशा में और परिचालन उत्कृष्टता, व्यावसायिक तालमेल और लागत नेतृत्व प्रदान करना जारी रहेगा।

रश्मिका मंदाना

अगले कुछ महीनों में काटेंगी खूब भौकाल, 'पुष्पा 2' के बाद आने वाली हैं ये 4 धांसू फिल्में

रश्मिका मंदाना. साउथ सिनेमा की वो एक्ट्रेस, जिसे कुछ वक्त पहले नेशनल क्रश का टैग दिया गया था. अपने करियर में कई बड़ी फिल्में कीं. इस वक्त वो 'पुष्पा- द रूल' को लेकर सुर्खियों में हैं. श्रीवल्ली का हर किसी को इंतजार है. लेकिन साल 2023 भी रश्मिका के लिए एकदम जबरदस्त रहा. वजह है रणबीर कपूर की 'एनिमल'. फिल्म में वो रणबीर कपूर की पत्नी गीतांजली का किरदार निभाया था. पर फिल्म में 'भाभी 2' उर्फ तृप्ति डिमरी ने पूरी लाइमलाइट लूट ली. इस साल भी रश्मिका मंदाना की बहुत बड़ी पिक्चर आने वाली है, जिसके लिए हर कोई एक्साइटेड है.आने वाले कुछ महीनों में रश्मिका मंदाना की कई फिल्में आने वाली हैं. इसमें सिर्फ अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा- द रूल' ही नहीं, बल्कि कई बिग बजट फिल्में शामिल हैं. आइए बताते हैं आपको रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्मों के बारे में.

पुष्पा: द रूल: अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है. हाल ही में टीजर आया था, जिसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला. 6 दिनों में वीडियो को 8.7 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं. 'पुष्पा' के सीक्वल में भी श्रीवल्ली की वापसी हो रही है. हाल ही में मेकर्स ने रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक शेयर किया था. ग्रीन साड़ी, हैवी ज्वेलरी में एकदम दमदार अंदाज नजर आया, जिसे देखकर फैन्स डिमांड कर रहे हैं कि, अगले टीजर में रश्मिका को भी दिखाया जाना चाहिए. फिल्म को सुकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं. 'पुष्पा' के पहले पार्ट के आखिर में अल्लू अर्जुन और रश्मिका की शादी हो गई थी. अब कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस पार्ट में उनका अहम रोल होने वाला है.

द गर्लफ्रेंड: रश्मिका मंदाना के खाते में एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो है- द गर्लफ्रेंड. पिक्चर को राहुल रवींद्रन बना रहे हैं. उनके बर्थडे के मौके पर मेकर्स ने पहला लुक शेयर किया था. इसमें वो किताबें लिए बैठी दिख रही हैं. फिल्म में वो धीक्षित शेट्टी के अपोजिट नजर आने वाली हैं, जो फिल्म में रश्मिका के लवर का किरदार निभाने वाले हैं. ये पिक्चर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जाएगी. हालांकि, वो कबतक पिक्चर की शूटिंग शुरू करने वाली हैं, इसकी जानकारी नहीं है क्योंकि हाल ही में उन्होंने 'पुष्पा 2' का काम खत्म किया है.

छावा: रश्मिका के पास इस वक्त एक बड़ी बॉलीवुड फिल्म भी है. फिल्म में वो विक्की कौशल के अपोजिट नजर आने वाली हैं. फिल्म को लक्ष्मण उतेकर डायरेक्ट कर रहे हैं. इससे पहले वो विक्की के साथ 'जरा हटके जरा बचके' में काम कर चुके हैं. फिल्म मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज की जिंदगी पर बेस्ड है. जहां उनका किरदार विक्की निभा रहे हैं, तो रश्मिका उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले का रोल प्ले करने वाली हैं. फिल्म को 6 दिसंबर, 2024 को रिलीज करने की प्लानिंग की जा रही है.

'एनिमल' वाली तृप्ती डिमरी की नई फिल्म आने जा रही है, रिलीज डेट सामने आ गई

पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' के जरिए रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना ने तो सुर्खियां बटोरी ही थी, पर तृप्ती डिमरी भी खूब छाई रहीं. फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद उनका किरदार हर तरफ छा गया था और वो लाइमलाइट में आ गई थीं. 'एनिमल' के बाद तृप्ती के चाहने वाले एक बार फिर से उन्हें पर्दे पर देखना चाहते हैं. फैन्स की ख्वाहिश जल्द ही पूरी होने जा रही है. उनकी एक नई फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है.

उनकी जिस फिल्म की बात हो रही है उसका नाम है 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो'. इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव नजर आने वाले हैं. 'ड्रीम गर्ल' और 'ड्रीम गर्ल 2' जैसी फिल्मों को डायरेक्ट कर चुके राज शांडिल्य ने इस फिल्म का डायरेक्शन किया है. फिल्म को भुषण कुमार, शोभा कपूर, एकता कपूर, विपुल डी शाह, राज शांडिल्य समेत और भी कई लोगों ने मिलकर प्रोड्यूस किया है.

कब रिलीज हो रही है ये फिल्म ?

बताया जा रहा है कि ये फिल्म 90ह्य पर सेट होगी. इसे देखने के लिए फिलहाल ऑडियंस को 6 महीने का इंतजार करना होगा. ये फिल्म 11 अक्टूबर को थिएटर्स में दस्तक देगी. इस फिल्म में और कौन-कौन से सितारे नजर आने वाले हैं, इस बारे में फिलहाल और कोई जानकारी नहीं है. इसके अलावा तृप्ती और भी कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं. उनकी अपकमिंग फिल्मों में 'भूल भुलैया 3' है, जिसमें वो कार्तिक आर्यन के साथ नजर आने वाली हैं. ये फिल्म इसी साल दीवाली पर रिलीज होने जा रही है. वो विक्की कौशल के साथ भी एक फिल्म लेकर आ रही हैं. फिल्म का नाम है 'बैड न्यूज'. हालांकि, ये पिक्चर कब तक रिलीज होगी इस बारे में अभी तक कोई भी जानकारी नहीं है.बहरहाल, तृप्ती डिमरी ने साल 2017 में फिल्म पोस्टर बॉयज से बॉलीवुड डेब्यू किया था. उसके बाद उन्होंने 'कला', 'लैला मजनू' और 'बुलबुल' जैसी कुछ और फिल्में की. लेकिन 'एनिमल' के जरिए वो खूब छाईं और नेशनल क्रश बन गईं. अब देखना होगा कि अपकमिंग फिल्मों से वो कैसा कमाल दिखाती हैं.

Priyanka Chopra को ये क्या हुआ, एक्ट्रेस ने दिखाया खून से सना चेहरा, शूटिंग के दौरान ऐसी हो गई हालत

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय करने वालीं प्रियंका चोपड़ा आज बड़ी ग्लोबल स्टर बन चुकी हैं। वह न सिर्फ अपनी कामयाबी के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनका वर्किंग स्टाइल भी फेमस है। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग में बिजी हैं। मगर लगता है कि प्रियंका ने कुछ ज्यादा ही काम कर लिया है। शूटिंग के दौरान उनके चेहरे पर चोटें लगी हैं।

ब्यूटी विद ब्रेन्स कही जाने वालीं प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग एन्जॉय करती हैं। वह आए दिन अपने फैंस के साथ शूटिंग या अपनी फैमिली से जुड़ी कोई न कोई अपडेट शेयर करती रहती हैं। कभी मालती संग खेलते हुए, तो कभी निक जोनस के कॉन्सर्ट से, देसी गर्ल अपने फैंस को अपनी किसी भी ऐसी अपडेट से दूर नहीं रखतीं।

प्रियंका को चेहरे पर लगी चोट

इस बार भी प्रियंका ने ऐसा ही किया। उन्होंने फैंस को सेट पर शूटिंग के दौरान लगी चोट की फोटो शेयर की है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने चेहरे की तस्वीर शेयर की, जिसमें काफी खरोंच नजर आ रही है। चेहरा देखकर ही लग रहा है कि प्रियंका को स्टंट के दौरान बुरी तरह हिट किया गया होगा।

एक्ट्रेस ने दिखाया खून से लथपथ चेहरा

इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की गई फोटो में प्रियंका के चेहरे पर दाहिनी ओर माथे पर खून की छींटें नजर आ रही हैं। चोट बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन निशान गंभीर है। बता दें कि हेड्स ऑफ स्टेट एक्शन मूवी है। प्रियंका इसमें खतरनाक एक्शन सीन्स और स्टंट करते हुए नजर आएंगी। चोट लगी तस्वीर शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा है, पता नहीं पिछले कुछ साल में मैंने अपनी कितनी चोट लगी तस्वीरें पोस्ट की होंगी।

प्रियंका चोपड़ा वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा बीते दिनों पूरी फैमिली के साथ अयोध्या आई थीं। तब माना जा रहा था कि वह किसी प्रोजेक्ट के सिलसिले में आई हैं। एक्ट्रेस के पिछले कई समय से जी ले जरा में काम करने की बात सामने आ रही है। हालांकि, अभी कुछ भी ऑनबोर्ड नहीं है। इसके अलावा 22 अप्रैल को डिज्नी पर टाइगर रिलीज हो रही है। इस मूवी में प्रियंका ने वॉइस ओवर किया है।

जाह्नवी कपूर

की फिल्म Ulajh का टीजर, सामने आया मोशन पोस्टर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हाल ही में राधिका मर्चेंट की ब्राइडल शॉवर पार्टी में नजर आई थीं, जिसे खुद उन्होंने अपने घर पर ऑर्गेनाइज किया था।सोशल मीडिया पर उन्होंने इस पार्टी की कई फोटोज पोस्ट की थी। वहीं अब एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की है, जिसे सुनकर उनके चेहरे खिल गए हैं।

कल होगा उलझ का टीजर रिलीज

जाह्नवी कपूर पिछले काफी समय से अपनी आने वाली फिल्म उलझ को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते साल अभिनेत्री ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी की थी। वहीं मंगलवार को एक्ट्रेस ने एक मोशन पोस्टर रिलीज किया है, जिसके जरिए उन्होंने बताया है कि इस मूवी का टीजर कल यानी 17 अप्रैल को रिलीज होने जा रहा है।

ये स्टार्स भी आएंगे नजर

जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित फिल्म में जान्हवी कपूर के अलावा एक्टर गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू भी नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म देशभक्ति पर आधारित होगी। फिल्म में जान्हवी एक इंडियन फॉरेन सर्विस की ऑफिसर के रोल में दिखाई देगी।

जाह्नवी कपूर का वर्क फ्रंट

जाह्नवी कपूर इस साल कई फिल्मों में नजर आ सकती हैं। राजकुमार राव के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आएंगी जो 31 मई को रिलीज होगी। इसके अलावा जाह्नवी साउथ मूवीज आरसी 16 और देवरा में भी नजर आएंगी।

तिल की खेती- किस्में, रोकथाम और पैदावार

राज्यवार तिल की उन्नत किस्में

राज्य- पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जुलाई का प्रथम पखवाड़ा।

प्रमुख किस्में- पंजाब तिल- 1, आर टी- 125, हरियाणा तिल- 1, शेखर, टी- 12, टी- 13, टी- 14 आदि।

राज्य- हिमाचल प्रदेश, जम्मू और उत्तराखंड

बुवाई का उचित समय- जायद- फरवरी से मार्च, रबी- नवम्बर से दिसम्बर।

प्रमुख किस्में- बी- 6।, तिलोथामा, रामा, उमा, माधवी गौरी, आर एस- 1 आदि।

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून के अंत से जुलाई के अंत तक।

प्रमुख किस्में- प्रताप, टी सी- 25, टी- 13, आर टी- 46, आर टी- 54, आर टी- 103, आर टी- 125 आदि।

By Bhupender

तिल खरीफ ऋतु में उगाये जाने वाली भारत की मुख्य तिलहनी फसल है, जिसका हमारे देश में बहुत प्राचीन इतिहास रहा है। तिल की फसल प्राय: गर्म जलवायु में उगायी जाती है और इसकी खेती भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों में की जाती है, जैसे- पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, आन्ध्रप्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल तथा हिमाचल प्रदेश, जम्मू, इत्यादि।

इसकी खेती शुद्ध एवं मिश्रित रूप से की जाती है। मैदानी क्षेत्रों में प्राय: इसे ज्वार, बाजरा तथा अरहर के साथ बोते हैं। तिल की उत्पादकता बहुत कम है।

इसका अधिक उत्पादन उन्नत किस्मों के प्रयोग व आधुनिक सस्य क्रियाओं के अपनाने से लिया जा सकता है। इस लेख में तिल की वैज्ञानिक तरीके से खेती का उल्लेख है।

तिल की अच्छी पैदावार के लिये लम्बा गर्म मौसम ठीक रहता है। तापमान 20 सेन्टिग्रेड से नीचे होने पर तिल का अंकुरण रूक जाता है। इसकी खेती के लिये 25 से 2। सेन्टिग्रेड तापमान उपयुक्त है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्र इसकी खेती के लिये उपयुक्त नहीं हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में फफूद जनित रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

उचित जल निकास होने पर तिल लगभग सभी प्रकार की भूमियों में उगाया जा सकता है। लेकिन पर्याप्त नमी की अवस्था में बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती हैं। अत्यधिक बलुई क्षारीय भूमि इसकी खेती के लिये उपयुक्त नहीं हैं। तिल 8 पी एच मान वाली भूमि में भी आसानी से उगाया जा सकता है।

तिल का बीज बहुत छोटा होता है, इसलिये भूमि भुरभुरी होनी चाहिये ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा आवश्यकतानुसार 2 से 3 जुताईयां देशी हल, कल्टीवेटर या हैरो चलाकर करें। खेत तैयारी के समय ध्यान रखना चाहिये की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी हो ताकि अंकुरण अच्छा हो।

तिल की प्रमुख उन्नत किस्में, जैसे- टी- 4 टी- 12, टी- 13, टी- 78, राजस्थान तिल- 346, माधवी, शेखर, कनिकी सफेद, प्रगति, प्रताप, गुजरात तिल- 3, हरियाणा तिल, तरूण, गुजरात तिल- 4, पंजाब तिल- 1, ब्रजेश्वरी (टी एल के- 4) आदि है।

▶▶ बीज की मात्रा

सामान्यत: शाखा वाली किस्मों के लिये 2.5 से 3 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर और शाखारहित किस्मों के लिये 3 से 4 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर बीज पर्याप्त रहता है। बीज और मिटटी उपचार तिल की बुवाई से पूर्व जड़ व तना गलन राग से बचाव के लिये बीजों को 1 ग्राम कार्बोन्डिजम + 2 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम कार्बोन्डिजम या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें।

जीवाणु अंगमारी रोग से बचाव हेतु बीजों को 2 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का 10 लीटर पानी में घोल बनाकर बीज उपचार करें। कीट नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 70 डब्लू एस की ।.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें। बुवाई से पूर्व 2.5 किलोग्राम ट्राईकोडर्मा को 2.5 टन गोबर की सड़ी खाद में मिलाकर खेत में प्रयोग करने में जड़ और तना गलन रोग की रोकथाम में मदद मिलती है।

तिल का बीज आकार में छोटा होता है, इसलिये इसे गहरा नही बोना चाहिये। इसकी बुवाई कम वर्षा वाले क्षेत्रों तथा रेतीली भूमियों में 45 × 10 सेंटीमीटर पर करने से अधिक पैदावार प्राप्त होती है। सामान्य अवस्था में लाइन से लाइन की दूरी 30 × 10 सेंटीमीटर रखी जाती है।

तिल की बुवाई उचित समय पर करें, मानसून की प्रथम वर्षा के बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में बुवाई करें। बुवाई में देरी करने से फसल के उत्पादन में कमी होती जाती है। बुवाई के समय यदि तापमान 25 से 27 डिग्री सेन्टिग्रेड हो तो वह अंकुरण के लिये अच्छा रहता है।

खाद और उर्वरक का प्रयोग मिटटी जांच के आधार पर करें। फसल के अच्छे उत्पादन के लिये बुवाई से पूर्व 250 किलोग्राम जिप्सम का प्रयोग लाभकारी रहता है। बुवाई के समय 2.5 टन गोबर की खाद के साथ ऐजोटोबेक्टर व फास्फोरस विलय बैक्टिरिया (पी एस बी) 5 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर प्रयोग करें। तिल बुवाई से पूर्व 250 किलोग्राम नीम की खली का प्रयोग भी लाभदायक है।

तिल की भरपूर पैदावार के लिए अनुमोदित और संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग आवश्यक है। मिट्टी की जांच संभव न होने की अवस्था में सिंचित क्षेत्रों में 40 से 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 20 से 30 किलोग्राम फॉस्फोरस और 20 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देनी चाहिए। लेकिन वर्षा आधारित फसल में 20 से 25 किलोग्राम नाइट्रोजन और 15 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तिल का बीज बहुत छोटा होता है, इसलिये भूमि भुरभुरी होनी चाहिये ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा आवश्यकतानुसार 2 से 3 जुताईयां देशी हल, कल्टीवेटर या हैरो चलाकर करें। खेत तैयारी के समय ध्यान रखना चाहिये की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी हो ताकि अंकुरण अच्छा हो। फॉस्फोरस की मात्रा का प्रयोग करें।

मुख्य तत्वों के अतिरिक्त 10 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर गंधक का उपयोग करने से तिल की पैदावार में आशातीत वृद्धि की जा सकती है। सिंचित क्षेत्रों में नाइट्रोजन की आधी मात्रा और अन्य उर्वरकों की पूरी मात्रा जबकि असिंचित क्षेत्रों में सभी उर्वरकों की पूरी मात्रा बुवाई के समय बीज से 3 से 4 सेंटीमीटर गहराई पर प्रयोग करें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा को बुवाई के 30 से 35 दिन बाद खड़ी फसल में प्रयोग करें।

तिल खरीफ की फसल है, जिसमे खरपतवारों की संख्या अधिक होती है। यदि खरपतवार समय पर नियन्त्रित नहीं किये जाते हैं तो पैदावार में भारी गिरावट आती है। खरपतवार की रोकथाम के लिये बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकालें। जहां निराई-गुड़ाई संभव नहीं हो वहां एलोक्लोर 2 किलोग्राम दाने या 1.5 लीटर तरल प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई से पूर्व प्रयोग करें फिर आवश्यकतानुसार 30 दिन बाद एक निराई-गुड़ाई अवश्य करें।

अन्तराशष्य- अच्छे उत्पादन के लिये तिल की मोठ या मूंग के साथ बुवाई करें। तिल को मोठ या मूंग के साथ 2:2 लाइनों में बुवाई करने से दूसरी फसलों की अपेक्षा अधिक उत्पादन मिलता है, जिसमें प्रति ईकाई उत्पादन के साथ आमदनी बढ़ती है।

पत्ती व फली छेदक- इस कीट का प्रकोप जुलाई से अक्टूबर तक रहता है। इसकी सूंडी पत्तियों, फूलों व फलियों को हानि पहुचाती है। कीट की लटें जाला बनाती हैं, जिससे पौधे की बढ़वार रूक जाती है। जब तिल की फसल में पत्ती एवं फली छेदक कीट का प्रकोप 10 प्रतिशत या इससे अधिक हो तो कीटनाशी का प्रयाग करें।

कीट के नियंत्रण के लिये क्यूनालफॉस 25 ई सी एक लीटर या कारबोरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण 2 से 3 किलोग्राम या सेवीमोल 2.5 से 3 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर के हिसाब से फूल व फली आते समय छिड़काव करें। कीड़ों का प्रकोप अधिक होने की अवस्था में आवश्यकता पड़ने पर इस छिड़काव को 15 दिन के अन्तराल पर पुन: करें।

फसल में कीट नियंत्रण के लिये बुवाई के 35 दिन बाद क्यूनालफॉस 25 ई सी एक लीटर प्रति हैक्टेयर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें। इसके बाद 45 दिन की अवस्था पर नीम के तेल की 10 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर एक समान छिडकाव करें।

पत्ती और फली छेदक कीट के प्रकोप को कम करने के लिये तिल की मूंग के साथ मिश्रित खेती करें। इससे फसल में कीटों का प्रकोप कम होने के साथ ही पैदावार भी बढ़ती है।

कीट नियंत्रण के लिये प्रोफेनोफॉस 50 ई सी 2 मिलीलीटर या स्पाईनोसेड 45 एस सी 0.15 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से फसल पर 30 से 40 और 45 से 55 दिन की अवस्था पर छिडकाव करें। गाल मक्खी, सैन्यकीट, हॉक मॉथ एवं फड़का का नियंत्रण फली छेदक कीट के लिये प्रयोग की गयी दवाओं से हो जाता है।

बिना रासायनिक कीटनाशीयों के कीट नियन्त्रण- तिल की बुवाई पूर्व नीम की खली 250 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर और मित्र फफूद ट्राइकोडरमा विरिडी 4 ग्राम प्रति किलोग्राम के हिसाब से बीज उपचार व 2.5 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को भूमि में मिलायें तथा फसल पर 30 से 40 और 40 से 55 दिन की अवस्था पर नीम आधारित कीटनाशी एजेडिरीक्टीन 3 मिलीलीटर प्रति लीटर के हिसाब से छिड़काव करें।

तिल में समन्वित कीट नियन्त्रण- तिल के बीजों को थाइरम 0.2 प्रतिशत + कार्बोन्डिजम 50 डब्ल्यू. पी. 0.1 प्रतिशत से बीज उपचार कर बुवाई करें तथा 30 से 45 दिन की फसल होने पर मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत + क्यूनालफॉस 0.05 प्रतिशत का घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यक होने पर इस छिड़काव को 45 से 55 दिन की अवस्था पर पुन: दोहराएं।

झुलसा एवं अंगमारी- इस बीमारी में पत्तियों पर छोटे भूरे रंग के शुष्क धब्बे दिखाई देते हैं। ये धब्बे बड़े होकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। इसका प्रकोप अधिक होने पर तने पर भी गहरी धारियों के रूप में दिखाई देता है।

नियंत्रण- फसल पर रोग के लक्षण दिखाई देते ही मैन्कोजेब या जाईनेब डेढ़ किलोग्राम या कैप्टान दो से ढाई किलोग्राम प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें। 15 दिन पश्चात छिड़काव पुन: दोहराएं।

छाछ्या (पाउडरी मिल्ड्यू)- छाछिया का प्रकोप सितम्बर माह के आरम्भ में शुरू होता है। इसमें पत्तियों की सतह पर सफेद पाउडर सा जमा हो जाता है। प्रकोप बढ़ने पर पत्तियां पीली पड़ कर सूखने और झड़ने लगती हैं।

नियंत्रण- रोग के लक्षण दिखाई देते ही 20 किलोग्राम गन्धक चूर्ण का भुरकाव या 200 ग्राम कार्बोन्डिजम या 2 किलोग्राम घुलनशील गंधक का प्रति हैक्टेयर के हिसाब से छिडकाव करें। आवश्यक होने पर भुरकाव या छिड़काव को पुन: दोहराएं।

जड तथा तना गलन- इस रोग से प्रभावित पौधों की जड़ एवं तना भूरे हो जाते हैं। प्रभावित पौधे को ध्यान से देखने पर तने, पत्तियों, शाखाओं और फलियों पर छोटे-छोटे काले दाने दिखाई देते हैं।

नियंत्रण- नियंत्रण के लिये बुवाई से पूर्व 1 ग्राम कार्बण्डिजम + 2 ग्राम थाइम या 2 ग्राम कार्बण्डिजम या 4 ग्राम ट्राइकोडरमा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।

पर्ण कुचन लीफ कर्ल- यह रोग विषाणु से होता है और सफेद मक्खी से फैलता है। रोगी पौधे की पत्तियां नीचे की तरफ मुड़ जाती हैं। पत्तियां गहरी हरी छोटी रह जाती हैं। रोग के उग्र होने पर पौधा छोटा रह जाता है व बिना फलियां आये ही पौधा सूख जाता है।

नियंत्रण- रोगी पौधे खेत में दिखाई देते ही इन्हें उखाड़ कर नष्ट कर दें। मिथाइल डिमेटॉन 25 ई सी, 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर या थायोमिथोक्सम 25 डब्ल्यू जी, 100 ग्राम तथा एसिटायोप्रिड़ 20 एस पी, 100 ग्राम प्रति हैक्टेयर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यक होने पर छिड़काव पुन: दोहराएं।

तिल में समन्वित रोग नियंत्रण- तिल के बीजों को थाइम 0.2 प्रतिशत + कार्बोन्डिजम 50 डब्ल्यू. पी. 0.1 प्रतिशत से बीज उपचार कर बुवाई करें और 30 से 45 दिन की फसल होने पर मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत + क्यूनालफॉस 0.05 प्रतिशत का घोल बनाकर छिडकाव करें। आवश्यक होने पर इस छिडकाव को 45 से 55 दिन की अवस्था पर पून: दोहराएं।

फसल पकने पर तने और फलियों का रंग पीला पड़ जाता है, जो फसल कटाई का उपयुक्त समय है। खेत में पकी फसल को ज्यादा समय तक रखने पर फलियां फटने लगती हैं, जिससे बीज बिखरने लगते हैं। अत: उचित समय पर फसल कटाई करें। फसल सूखने पर गहाई करें, गहाई बाद बीजों को साफ करके धूप में सुखायें। भण्डारण से पूर्व बीजों में 8 प्रतिशत से कम नमी होनी चाहये।

कृषि की उपरोक्त उन्नत तकनीक अपनाकर तिल की फसल से 8 से 12 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

हमारे देश में तिल खरीफ और जायद की एक महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है। तिल की उन्नत किस्मों का चयन क्षेत्र की अनुकूलता को ध्यान में रखकर करने से पैदावार पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। अनुवांशिक शुद्धता और 70 से 80 प्रतिशत वाले बीजों का चयन कृषक बन्धुओं को करना चाहिए,

राज्य- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जुलाई के दूसरे पखवाड़े में, जायद- फरवरी अन्त से मार्च शुरू तक।

प्रमुख किस्में- एन- 32, जे टी- 2, टी के जी- 21, टी के जी- 22, टी के जी- 55, उमा, बी- 67, रामा आदि।

राज्य- गुजरात

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून के अंत से जुलाई के पहले सप्ताह तक, जायद- जनवरी से फरवरी, अर्ध रबी- अगस्त के अंत में।

प्रमुख किस्में- गुजरात तिल नं- 1, गुजरात तिल नं- 2, आर टी- 54, आर टी- 103, पूरवा- 1, आर टी- 103 आदि।

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून मध्य से जुलाई, जायद- फरवरी, रबी- सितम्बर से अक्तूबर

प्रमुख किस्में- फुले तिल नं- 1, तासी, पदमा, आर टी- 54, आर टी- 103, एन- 8, डी एम- 1, तासी पूरवा- 1, आर टी- 54, आर टी- 103 आदि।

राज्य- बिहार और उड़ीसा

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून से जुलाई, जायद- फरवरी।

प्रमुख किस्में- कृष्ण, पटना- 64, कांके सफेद, विनायक, कालिका, कनक उमा, उषा, बी- 67आदि।

राज्य- पश्चिम बंगाल और असम

बुवाई का उचित समय- खरीफ- मई के अंत से जून के अंत तक

प्रमुख किस्में- उमा, पंजाब तिल- 1, आर टी- 125, टी के जी- 21, टी के जी- 22, टी के जी- 55 आदि।

राज्य- तमिलनाडु और केरल

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून से जुलाई, रबी- नवम्बर से दिसम्बर, अर्ध रबी- अगस्त से सितम्बर जायद- जनवरी से फरवरी।

प्रमुख किस्में- टी एम वी- 4, टी एम वी- 5, टी एम वी- 6, वी आर आई- 1, प्यायूर- 1, सोमा, सूर्या, चिलक रामा, सूर्या, बी- 67, सूर्या, सी ओ- 1, सोमा आदि।

बुवाई का उचित समय- खरीफ- जून से जुलाई, जायद- जनवरी के दूसरे पखवाड़े में।

प्रमुख किस्में- गौरी, माधवी, टी- 85, आर टी- 54, आर टी- 103 गौरी, माधवी, राजेश्वरी, वर्षा राजेश्वरी आदि।

तिल की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार

आर टी 46- तिल की यह 100 से 125 सेन्टीमीटर ऊंची किस्म है, जिसमें पत्ती व फली छेदक कीट और गॉलमक्खी कम लगती है तथा गमोसिस रोग कम लगता है। फूल 30 से 35 दिन में आते हैं और पौधों में 4 से 6 शाखायें होती हैं। फसल 75 से 90 दिन में पकती है एवं औसत उपज 6 से 8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। बीज का रंग सफेद और तेल की मात्रा 49 प्रतिशत होती है। इसका दाना मध्यम आकार का, 1000 दानों का वजन 2.55 ग्राम होता है। शुष्क खेती व सिंचित क्षेत्रों दोनों के लिये उपयुक्त इस किस्म में मेक्रोफोमिना व आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के लिये अधिक प्रतिरोधक क्षमता है।

आर टी 125- तिल की यह किस्म भारी मिट्टी के लिये उपयुक्त 90 से 120 सेन्टीमीटर ऊंची, इस किस्म में 3 से 5 शाखायें होती हैं। 75 से 85 दिन में पकने वाली इस किस्म के बीज सफेद और इसकी सभी फलियां एक साथ पकती हैं। इसलिये झड़ने से नुकसान कम होता है।

औसत उपज 9 से 12 क्विण्टल प्रति हैक्टेयर है। इसकी यह विशेषता है, कि इसकी पत्तियां, तना व फलियाँ सहित सम्पूर्ण पौधा पकने की अवस्था पर पीला पड़ जाता है।

यह बीमारियों व कीटों के प्रति सहनशील है। इस किस्म में फिल्लोडी का प्रकोप आर टी- 46 किस्म की तुलना में कम होता है। इसके 1000 दानों का वजन लगभग 2.5 से 3.15 ग्राम और तेल की मात्रा 48.8 प्रतिशत होती है।

आर टी 127- यह एक सूखा रोधी किस्म, जिसके पौधों की ऊंचाई 90 से 135 सेंटीमीटर हैं। इस किस्म में गॉल मक्खी व वरूथी (माइटस) का प्रकोप अन्य किस्मों की तुलना में अपेक्षाकृत कम होता है। इसमें जड़ व तना गलन रोग, फिलोड़ी और जीवाणु पत्ती धब्बा रोग के प्रति सहनशीलता है। इस किस्म में फूल 30 से 35 दिन में आते है और फसल 75 से 84 दिन में पककर तैयार हो जाती है एवं इसकी औसत उपज 6 से 9 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हैं। इसके बीज सफेद, चमकदार, सुडौल होते हैं, जिसमें तेल की मात्रा 49.5 प्रतिशत होती है। इस किस्म की निर्यात गुणवत्ता उच्च है।

आर टी 346 (चेतक)- तिल की यह किस्म राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, पश्चिम उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र के सीमा निकटवर्ती भागों में बुवाई के लिये अधिसूचित की गयी है। सूखा सहने की क्षमता वाली इस किस्म की पकाव अवधि 83 दिन है। पर्ण कुंचन, फिलोडी के लिए प्रतिरोधी और तना व जड़ गलन, अल्टरनेरिया व सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा रोगों एवं फलीछेदक कीड़े के लिये मध्यम प्रतिरोधी है। इसमें तेल की मात्रा 50 प्रतिशत और औसत उपज । से 9 क्विण्टल प्रति हैक्टेयर होती है। इस किस्म के बीज चमकीले सफेद रंग के होते हैं।

आर टी 351- सफेद चमकीले बीज वाली तिल की इस किस्म के पौधों पर फलियां चौगर्थी लगती है और फसल लगभग 85 दिन में पक जाती है। इसके बीजों में तेल की मात्रा 50 प्रतिशत और औसत उपज 7 से 10 क्विंटल प्रति हैक्टर होती है। यह किस्म पर्ण कुंचन, फिलोडी और तना, जड़ गलन रोगों के लिए प्रतिरोधी एवं सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा व फली छेदक कीड़े के प्रति मध्यम प्रतिरोधी होती है।

हरियाणा तिल 1- तिल की इस किस्म की पकने की अवधि 85 से 90 दिन, तेल की मात्रा 48 से 50 प्रतिशत, औसत पैदावार 6 से । क्विंटल, असन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

पंजाब तिल 1- इस किस्म की पकने की अवधि 75 से 85 दिन, तेल की मात्रा 50 से 53 प्रतिशत, औसत पैदावार 5 से । क्विंटल, सन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

शेखर- इस किस्म की पकने की अवधि 80 से 85 दिन, तेल की मात्रा 45 से 48 प्रतिशत, औसत पैदावार 6 से 8 क्विंटल, सन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

टी 8- तिल की इस किस्म की पकने की अवधि 80 से 85 दिन, तेल की मात्रा 45 से 48 प्रतिशत, औसत पैदावार 6 से 8 क्विंटल, सन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

टी 13- इस किस्म की पकने की अवधि 90 से 95 दिन, तेल की मात्रा 40 से 45 प्रतिशत, औसत पैदावार 6 से । क्विंटल, बीज सफेद असन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

गुजरात तिल 4- तिल की इस किस्म की पकने की अवधि 80 से 85 दिन, तेल की मात्रा 46 से 50 प्रतिशत, औसत पैदावार । से 9 क्विंटल, असन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

तरुण- तिल की इस किस्म की पकने की अवधि 80 से 85 दिन, तेल की मात्रा 50 से 52 प्रतिशत, औसत पैदावार 8 से 9 क्विंटल, असन्मुखी, एकल फलियाँ होती है।

साधारणतय: गुल-दाउदी के फूल अक्टूबर के बाद खिलना आरम्भ करते हैं और इसकी कई प्रजातियें फरवरी - मार्च तक खिलती रहती हैं, परन्तु मुझे इस बार विशेष प्रसन्नता हो रही है कि अप्रैल माह के जाते - जाते भी अपने घर के छोटे से बगीचे में ये पौधे बैगनी और पीले रंग के पुष्पगुच्छ दे रहे हैं।

मैंने अपने बगीचे में अभी श्वेत और लाल फराशबीन (कन्टेंडर) के पौधे बोए हैं जिनमे फूल और फलियां पड़नी शुरू हो गई हैं। भिंडी (संकर/हाइब्रिड) के पौधे ज़मीन से बाहिर निकल चुके हैं । टमाटर हाइब्रिड के 14 - 15 पौधे, हाइब्रिड मिर्च के 5 - 6 पौधे और बैंगन (उन्नत प्रजाति) के 10 - 12 पौधे भी लगाए हुए हैं। इनके अतिरिक्त कद्दू के 6 पौधे सावधानी पूर्वक मिट्टी समेत प्रत्यारोपित करके लगाए हैं।

बगीचे की सुंदरता के लिए गज़ीनिया, डहेलिया, गुलाब, फ्लॉक्स, के फूल और कुछ गमलों में सजावटी पौधे भी लगे हुए हैं। इनके छायाचित्र लेने में भी कुछ समय सकारात्मक ढंग से उपयोग हो जाता है। इन्हें मोबाइल फ़ोन पर साझा करने से अपनी जानकारी भी बढ़ती है और अपने संपर्क में मित्र-जनों और छोटे-बड़ों की भी।

ये गतिविधियां निश्चय ही हमें कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करती हैं। हम सभी लोग अपने पास जितनी भी जगह है, चाहे बगीचे में, घर की छत पे, बरामदे में अथवा छज्जे में, थोड़ी बहुत सब्ज़ी, औषधीय और सजावटी पौधे, सुगन्धयुक्त पौधे सुविधानुसार उगाएं तो समय, स्थान और साधन का सदुपयोग होगा।

- **सी.एम. शर्मा**

तिल में समन्वित कीट नियन्त्रण- तिल के बीजों को थाइरम 0.2 प्रतिशत + कार्बोन्डिजम 50 डब्ल्यू. पी. 0.1 प्रतिशत से बीज उपचार कर बुवाई करें तथा 30 से 45 दिन की फसल होने पर मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत + क्यूनालफॉस 0.05 प्रतिशत का घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यक होने पर इस छिड़काव को 45 से 55 दिन की अवस्था पर पून: दोहराएं।

तिल का बीज बहुत छोटा होता है, इसलिये भूमि भुरभुरी होनी चाहिये ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा आवश्यकतानुसार 2 से 3 जुताईयां देशी हल, कल्टीवेटर या हैरो चलाकर करें।

खेत तैयारी के समय ध्यान रखना चाहिये की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी हो ताकि अंकुरण अच्छा हो।